हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 115 ● भिलाई, मंगलवार 24 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

देशभर में बदला मौसम का मिजाज, पहाड़ों पर बर्फबारी तो 12 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम ने तेजी से करवट ले ली है, जिससे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार में सुबह और शाम के समय सर्द हवाओं के साथ कोहरे की चादर छाई हुई है। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभागने रविवार 22 नवंबर को देश के 12 राज्यों में बारिश और तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है, जिसका सीधा असर मैदानी राज्यों के तापमान पर पड़ेगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार की सुबह घने कोहरे और सर्द हवाओं के साथ हुई, जिससे लोगों को ठिठुरन का अहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि सुबह और रात के वक्त ठंड का असर ज्यादा महसूस होगा।

रेलवे का बड़ा बुलडोजर एक्शन, जमींदोज की गईं आधा दर्जन मजारें और गुमटियां

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में आगामी महापर्व सिंहस्थ को लेकर बुनियादी ढांचे को संवारने की कवायद अब जमीन पर पूरी रफ्तार से दिखने लगी है। इसी कड़ी में रेलवे प्रशासन ने अपनी बेशकीमती जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए एक बड़ा बुलडोजर अभियान चलाया। इस सख्त कार्रवाई के दौरान रेलवे की भूमि पर अवैध रूप से बनी करीब आधा दर्जन मजारों, गुमटियों और अन्य निर्माणों को पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में हुई इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया, हालांकि प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरा अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, रेलवे प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई उज्जैन शहर के दो अलग-अलग स्थानों पर अंजाम दी गई।

पिता के अपमान का खौफनाक बदला, पहले शराब पिलाकर किया बेसुध

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले से रिश्तों और रंजिश की एक ऐसी खौफनाक वारदात सामने आई है, जिसने हर किसी को दहला दिया है। यहां पिता के कथित अपमान का बदला लेने के लिए एक 20 वर्षीय युवक ने अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर 35 वर्षीय शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के लिए बेहद शातिराना प्लान बनाया और हत्या के बाद इसे सड़क दुर्घटना का रूप देने की भी पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस की सूझबूझ और फोरेंसिक जांच ने उनकी साजिश को बेनकाब कर दिया।

पीएम मोदी-बालेन शाह की मुलाकात में हुए बड़े फैसले

आठ समझौते और 15,000 करोड़ रुपये का पैकेज की घोषणा की

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। पीएम पद संभालने के बाद बालेन शाह का यह पहला विदेश दौरा था। बैठक के दौरान भारत ने नेपाल में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और विकास के लिए 24,000 करोड़ नेपाली रुपये (करीब 15,000 करोड़ भारतीय रुपये) के सहायता पैकेज की घोषणा की। पीएम मोदी ने नेपाल के 35 वर्षीय प्रधानमंत्री बालेन शाह की विकास संबंधी सोच और दूरदृष्टि की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस साल नेपाली जनता ने बालेन शाह को जो ऐतिहासिक जनादेश दिया है, वह देश की युवा पीढ़ी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और बदलाव की इच्छा को दर्शाता है। नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24,000 करोड़ नेपाली रुपये के विकास सहयोग की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने, प्रभावित समुदायों को फिर से बसाने और उन लोगों की मदद करने में उपयोगी होगी, जिन्होंने आपदा में अपने घर और रोजगार के साधन गंवा दिए हैं। 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ में 1,500 लोगों की जान चली गई थी, जबकि 5,200 से अधिक लोग लापता हो गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लंबे समय से नेपाल को पेट्रोलियम उत्पादों और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति करता रहा है। 'नेबरहुड



फर्स्ट' नीति के तहत तेल आपूर्ति की चुनौतियों के बावजूद भारत ने नेपाल को ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराना जारी रखा। द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने बालेन शाह का स्वागत करते हुए कहा कि भारत दौरे पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री की सोच और विजन की झलक कुछ महीने पहले संयुक्त राष्ट्र में उनके संबोधन के दौरान देखने को मिली थी। उस समय उन्होंने दुनिया के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया था। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में नेपाल के भविष्य और भारत-नेपाल संबंधों को लेकर बालेन शाह की स्पष्ट सोच और प्रतिबद्धता सामने आई। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल केवल पड़ोसी देश नहीं हैं, बल्कि दोनों के बीच विश्वास, मित्रता और मजबूत पारंपरिक रिश्ते हैं। दोनों देशों की चुनौतियां और आकांक्षाएं भी काफी हद तक समान हैं और मुश्किल परिस्थितियों में एक-दूसरे का साथ देना उनकी साझेदारी की विशेषता है। भारत और नेपाल के बीच आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें सिविल सेवा प्रशिक्षण, अंतरिक्ष अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सा, शहरी विकास, आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा जैसे क्षेत्र शामिल

कांडला और पारादीप पोर्ट तक मिलेगी पहुंच, नेपाल का विदेशी व्यापार होगा आसान

भारत ने नेपाल को विदेशी व्यापार के लिए दो और महत्वपूर्ण बंदरगाहों तक पहुंच देने का फैसला किया है। अब नेपाल गुजरात के कांडला और ओडिशा के पारादीप पोर्ट का इस्तेमाल तीसरे देशों के साथ आयात और निर्यात के लिए कर सकेगा। नेपाल एक लैंडलॉक्ड देश है, यानी उसकी समुद्र तक सीधी पहुंच नहीं है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए उसे दूसरे देशों के बंदरगाहों पर निर्भर रहना पड़ता है। अब तक नेपाल मुख्य रूप से भारत के कोलकाता, हल्दिया और विशाखापत्तनम बंदरगाहों का इस्तेमाल करता रहा है। कांडला और पारादीप तक पहुंच मिलने से उसके पास व्यापार के लिए अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होंगे। इस फैसले से नेपाल के विदेशी व्यापार को सुगम बनाने और माल ढुलाई के लिए नए रास्ते उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है।

भाजयुमो अध्यक्ष ने कसा तंज

पूरे देश में कांग्रेस के लोग बेरोजगार हैं-हेमांग जोशी..



रायपुर। डबल इंजन सरकार के बावजूद छत्तीसगढ़ में बढ़ती बेरोजगारी वाले कांग्रेस के बयान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हेमांग जोशी ने पलटवार किया है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह केवल छत्तीसगढ़ का विषय नहीं है, पूरे देश में कांग्रेस के लोग बेरोजगार हैं. जनता ने कांग्रेस को फ्री कर दिया है. 'युवा संवाद' कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हेमांग जोशी ने पत्रकारों से चर्चा की. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर तीखा प्रहार किया. उन्होंने बेरोजगारी को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि आज देश का युवा गिवर बन रहा है. लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस जितना बेरोजगार कोई नहीं है. इसके साथ राहुल गांधी के आरएसएस और बीजेपी पर टिपण्णी को लेकर डॉ. हेमांग जोशी ने कहा कि राहुल गांधी के लेवल पर जाकर बात करें तो शर्म आती है. राहुल गांधी की बात देश का कोई युवा नहीं करना चाहता है.

अंधविश्वास में खूनी वारदात

ग्राम दुगेली में जादू-टोना करने की शंका में एक शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी गई,दो आरोपी गिरफ्तार....

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले से हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम दुगेली में जादू-टोना करने की शंका में एक शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने लोहे के धारदार बंडा और लकड़ी के पीढ़े से हमला कर युवक को मौत के घाट उतारा था। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता विजय कर्मा निवासी माड़कापारा दुगेली ने मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आयतु राम कर्मा (42 वर्ष) की 21 नवंबर 2026 की शाम 7 बजे से 22 नवंबर की सुबह 7 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से चेहरे और सीने पर वार कर हत्या कर दी है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने धारा 103(1) और 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र खुंटे और एसडीओपी किरंदुल अविनाश



ठाकुर के मार्गदर्शन में आरोपियों की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान ग्राम दुगेली के धुरवापारा में ग्रामीणों और गवाहों से पूछताछ की गई। इस दौरान लच्छू कर्मा (42 वर्ष) और मुद्दा कर्मा (30 वर्ष) पर हत्या में शामिल होने का संदेह जताया गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्हें आयतु कर्मा पर गांव में जादू-टोना (बड़े) करने का शक था। इसी बात को लेकर उनके मन में मृतक के प्रति रंजिश थी। इसी रंजिश के चलते 21 नवंबर की रात उन्होंने लोहे के धारदार बंडा और लकड़ी के पीढ़े से आयतु कर्मा पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का धारदार बंडा और घटनास्थल से लकड़ी का पीढ़ा जब्त किया है।

सीजी विधानसभा के शीतकालीन सत्र

14 से 17 दिसंबर तक चलेगा छग विधानसभा का शीतकालीन सत्र

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस बार कई अहम मुद्दों को लेकर चर्चा में रहने वाला है। 14 दिसंबर से शुरू होकर 17 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने के आसार हैं। चार दिन के इस सत्र के लिए विधायकों ने अभी से सरकार को घेरने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिसूचना जारी होने के बाद सवाल लगाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। 19 नवंबर तक मिले आंकड़ों के मुताबिक विधानसभा के आगामी सत्र के लिए कुल 589 सवाल



लगाए जा चुके हैं। इनमें 315 तारांकित और 274 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इन सवालों के जरिए विधायक अलग-अलग विभागों के कामकाज, सरकारी योजनाओं और जनता से जुड़े मामलों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। इस बार विपक्ष के निशाने पर धान खरीदी का मुद्दा प्रमुखता से रह सकता है। 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो चुकी है, लेकिन बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। खरीदी केंद्रों में व्यवस्था, धान की गुणवत्ता, टोकन और किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर विपक्ष सरकार से सवाल कर सकता है। इसके अलावा किसानों को उनकी उपज का भुगतान और खरीदी प्रक्रिया भी चर्चा में रह सकती है।कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे भी सदन में उठने की संभावना है। विपक्ष विभिन्न विभागों में गड़बड़ियों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर सरकार से जवाब मांग सकता है। वहीं इस सत्र के दौरान भाजपा सरकार अपने तीन साल का कार्यकाल भी पूरा करेगी।

भोजपुरी गीतों में कट्टा-एके 47 और जातीय वर्चस्व का बखान पड़ा महंगा, पुलिस सख्त

पटना । बिहार के भोजपुर जिले में अब भोजपुरी गीतों के जरिए कट्टा, एके-47, हत्या, रंगदारी, बालू माफिया और जातिगत वर्चस्व का महिमामंडन करना गायकों, गीतकारों और संगीतकारों को महंगा पड़ सकता है। पुलिस ने ऐसे गीतों और सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली रील्स के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इस मामले में प्रमुख भोजपुरी गायकों समेत 45 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने रिकॉर्डिंग स्टूडियो और गीतों के निर्माण से जुड़े अन्य लोगों को भी जांच के दायरे में लिया है। भोजपुर के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने शुक्रवार को बताया कि सोशल मीडिया मंचों की निगरानी के दौरान पुलिस को कुछ ऐसे भोजपुरी गाने मिले।

9 दिसंबर को विधानसभा में पेश होगा प्रस्ताव

अब पश्चिम बंगाल होगा पश्चिम बंग सीएम अधिकारी ने किया ऐलान.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को ऐलान किया कि राज्य का नया नाम 'पश्चिम बंग'रखने का प्रस्ताव विधानसभा में पेश किया जाएगा। इसके लिए 9 दिसंबर की तारीख तय की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 9 दिसंबर को विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया जाएगा। विधानसभा से मंजूरी मिलने के बाद इसे केंद्र



सरकार के पास भेजा जाएगा। इसके बाद नाम बदलने की संवैधानिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, अंग्रेजी में भी राज्य का नाम पश्चिम बंगाल ही होगा।पश्चिम बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर तक चलेगा। इसी सत्र के दौरान 9 दिसंबर को राज्य का नाम बदलने से जुड़ा प्रस्ताव सदन में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। इससे पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने भी राज्य का नाम बदलने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि सरकार जल्द ही विधानसभा में इस संबंध में प्रस्ताव लाएगी। अब मुख्यमंत्री के ऐलान के बाद नाम बदलने की योजना सामने आ गई है। पश्चिम बंगाल का नाम बदलने का मुद्दा नया नहीं है। इससे पहले ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने भी राज्य का नाम बदलने की कोशिश की थी।

मानव तस्करी और घरेलू हिंसा पर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता

सीएम विष्णुदेव साय बोले- इसे रोकने के लिए जनआंदोलन जरूरी है

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा के लिए आज छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। कार्यशाला में महिला सुरक्षा, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा और महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित विशेषज्ञ और संबंधित पक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ष्टरू साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं को कोई भी समाज स्वीकार नहीं कर सकता। भारत में प्राचीन काल से ही नारियों की पूजा की जाती रही है, लेकिन आज भी इन गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हमें इन समस्याओं को स्वीकार कर इनके समाधान के लिए प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी के मामलों में कई बार करीबी लोग ही शामिल होते हैं। पैसे और नौकरी का झांसा देकर महिलाओं को घरों से बाहर ले जाया जाता है और वे तस्करी के जाल में फंस जाती हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं। दिल्ली में भी कई महिलाओं को इस तरह के जाल से छुड़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा और घरेलू हिंसा व मानव तस्करी को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर



रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर का जिक्र करते हुए कहा कि यहां महिलाओं को 24 घंटे सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा 181 महिला हेल्पलाइन नंबर भी संचालित है। छत्तीसगढ़ पुलिस के अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से भी महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। घरेलू हिंसा और मानव तस्करी रुके इसकी कोशिश रहेगी। इसे रोकने हमें जनांदोलन करना होगा और सबको प्रयास करना पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव पर अरुण साव ने कहा- कांग्रेस का होगा सुपड़ा साफ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 4 नगर निगम चुनाव सहित 17 जगहों पर नगरीय निकाय चुनाव होने वाले हैं. संभवतः दिसंबर-जनवरी माह में चुनाव की तिथि सामने आ सकती है. भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टी चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है. नगरीय निकाय चुनाव को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने लल्लूराम डॉट कॉम से बातचीत में कहा, बीजेपी निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी की तैयारी पूरी है. इस बार कांग्रेस का सुपड़ा साफ होगा. अरुण साव ने चुनाव को लेकर कई सवालों के जवाब भी दिए। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, हमारे राज्य में 4 निगम चुनाव सहित 17 जगह निकाय चुनाव है. दिसंबर में चुनाव संभावित है. भारतीय जनता पार्टी की पूरी तैयारी है. न केवल



निकायों में चुनाव के प्रभारी नियुक्त हो गए हैं. संगठन की गतिविधियां लगातार चल रही है. जहां तक सरकार की बात है तो सरकार पूरी तरीके से तैयार है. जिस तरीके से गत निकायों के चुनाव में 10 के 10 नगर निगम चुनाव बीजेपी जीती थी. उसी प्रकार 17 नगरीय निकायों में भाजपा की पार्टी जीतेगी. पिछले 3 सालों में नगरीय निकायों में हमने विकास के काम किए हैं. राज्य की सरकार में मोदी की गारंटी को जिस तरीके से पूरा किया है. वहां 17 के 17 नगरीय निकायों में कमल का फूल खिलेगा. अरुण साव ने कहा, चुनाव में प्रत्याशी चयन का मापदंड जीतने वाला योग्य प्रत्याशी होगा, जो हर वर्ग के लोगों को समाहित करते हुए चुनाव जीत सके. हमेशा जितने वाले प्रत्याशी का चयन पार्टी करती है. इस बार भी वही होगा. डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, नगरीय निकाय का चुनाव स्थानीय मुद्दे पर ही लड़ा जाएगा।

सामुदायिक भवन निर्माण, एसटी वर्ग में पुनः बहाली और सामाजिक अधिकारों को लेकर तीनों ब्लॉक अध्यक्षों ने बनाई रणनीति

● पनिका समाज में संगठनात्मक एकता पर जोर, जिलाध्यक्ष का चुनाव होगा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से

सारंगढ़-बिलाईगढ़। पनिका समाज जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की आवश्यक बैठक मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को कबीर आश्रम सारंगढ़ में आयोजित हुई। बैठक में जिले के तीनों सामाजिक ब्लॉक सारंगढ़, बरमकेला एवं सरसींवा के अध्यक्षों सहित उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए। बैठक में सामाजिक संगठन की मजबूती, जिलाध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया, सामुदायिक भवन निर्माण, अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में पुन: बहाली की मांग तथा समाज के भीतर चल रहे विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए समाज की एकजुटता और अधिकारों की लड़ाई को संगठित तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में



सबसे प्रमुख मुद्दा जिलाध्यक्ष के निर्वाचन को लेकर सामने आया। समाज के कुछ व्यक्तियों द्वारा स्वयं को जिलाध्यक्ष घोषित किए जाने संबंधी खबरों पर उपस्थित समाजजनों ने आपत्ति जताई और ऐसी खबरों का खंडन किया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं को जिलाध्यक्ष घोषित कर देना अथवा कुछ घंटों की बैठक में पद का निर्णय कर लेना समाज की लोकतांत्रिक परंपरा और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है। समाज के निर्णय के अनुसार जिले के तीनों ब्लॉक के पदाधिकारी आपसी सहमति से निर्वाचन नियमावली तैयार करेंगे।

एसटी वर्ग में पुनः बहाली की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

पनिका समाज की लंबे समय से चली आ रही अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में पुन : बहाली की मांग पर भी बैठक में गंभीरता से चर्चा हुई। इस मांग को लेकर समाज के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिले के तीनों ब्लॉक अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। समाजजनों ने कहा कि एसटी वर्ग में पुन : बहाली का विषय समाज के अधिकार, पहचान और भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। इस मांग को लेकर केंद्रीय कमेटी एवं प्रदेश कमेटी के निर्देशानुसार आगामी दिनों में आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और व्यापक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एकजुट होकर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि समाज की मांगों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। केवल ज्ञापन तक सीमित रहने के बजाय निर्धारित रणनीति के अनुसार चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी की जाएगी।

तीनों ब्लॉक अध्यक्षों ने संगठन की वर्तमान स्थिति पर रखे विचार

बैठक में सारंगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र दास मानिकपुरी, बरमकेला ब्लॉक अध्यक्ष बाबा दास महंत एवं सरसींवा क्षेत्र के अध्यक्ष टीपू दास दीवान ने सामाजिक गतिविधियों और संगठन की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखे। तीनों अध्यक्षों ने समाज में आपसी समन्वय, पारदर्शिता और संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने की आवश्यकता बताई। इस दौरान बरमकेला ब्लॉक अध्यक्ष बाबा दास महंत ने जिलाध्यक्ष पद को लेकर अपना पक्ष स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने देवदास को सामाजिक जिलाध्यक्ष बनाए जाने का समर्थन नहीं किया है। उनका आरोप है कि उनसे फोटो मांगकर सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में इस तरह प्रसारित किया जा रहा है, जिससे उनके समर्थन का गलत संदेश जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सामाजिक बैठक में अपना लिखित पक्ष भी प्रस्तुत कर चुके हैं। उन्होंने देवदास को जिलाध्यक्ष बनाए जाने संबंधी खबरों में अपना नाम जोड़े जाने का स्पष्ट खंडन किया।

कबीर आश्रम में सामुदायिक भवन निर्माण का मुद्दा गरमाया

बैठक में कबीर आश्रम सारंगढ़ परिसर में प्रस्तावित पनिका समाज के सामुदायिक भवन निर्माण का विषय भी प्रमुखता से उठाया गया। चर्चा के दौरान समाजजनों ने बताया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा यहां भवन निर्माण का विरोध किया जा रहा है तथा जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सामुदायिक भवन को सारंगढ़ के बजाय उलखर गांव में बनाए जाने का मौखिक आग्रह किया गया है। इस विषय को लेकर बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि सारंगढ़ जिला मुख्यालय होने के साथ ही समाज की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है। कबीर आश्रम परिसर में पहले से ही पनिका समाज का एक छोटा भवन मौजूद है और इसी परिसर में समाज के आराध्य सद्गुरु कबीर साहेब की प्रतिमा भी स्थापित है। इस स्थान से समाज की धार्मिक आस्था और भावनाएं जुड़ी हुई हैं। समाजजनों ने कहा कि सामुदायिक भवन समाज की एकता, सामाजिक आयोजनों, बैठकों और सामूहिक गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक है। ऐसे में भवन निर्माण के प्रस्ताव को लेकर आपसी मतभेद पैदा करने के बजाय समाजहित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।



मितानिन दिवस पर 32 मितानिन दीदियों का पार्षद नीतू कोठारी ने किया सम्मान, सेवा और समर्पण को सराहा

बेमेतरा। मितानिन दिवस के अवसर पर मितानिन सेंटर बेमेतरा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 16 की पार्षद नीतू कोठारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने वाली 32 मितानिन दीदियों का सम्मान किया गया। उन्हें उनके निस्वार्थ सेवा भाव, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति समर्पण के लिए उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मितानिन दीदियों के योगदान को सम्मान देना और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करना रहा।

मितानिन दीदियां लंबे समय से घर-घर पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की निगरानी तथा जरूरतमंद और बीमार लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पार्षद नीतू कोठारी ने कहा कि मितानिन दीदियां स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं। वे गांव-गांव और घर-घर जाकर पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती हैं।

कर्मकांडी ब्राह्मणों, पुरोहितों एवं मंदिरों में सेवा देने वाले पुजारियों के लिए विशेष सम्मान योजना

भिलाई नगर। जनसेवा को नवाचार से जोड़ते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन लगातार ऐसी योजनाएं संचालित कर रहे हैं, जिनका लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सके। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के अतिरिक्त विधायक की स्वयं की पहल से विधानसभा क्षेत्र में अब तक लगभग 23-24 जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में विधायक रिकेश सेन ने कर्मकांडी ब्राह्मणों, पुरोहितों और मंदिर के पुजारियों तथा उनके परिवारों के लिए एक और अनूठी योजना शुरू करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में



निवासरत ऐसे ब्राह्मण, जो पिछले कम से कम तीन वर्षों से मंदिरों एवं विभिन्न यजमानों के यहां पूजा-पाठ और कर्मकांड का कार्य कर रहे हैं, उन्हें और उनके परिवार को वर्ष में दो बार भारतवर्ष में कहीं भी यात्रा करने के लिए एसी रेल टिकट निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के लिए 23 नवंबर से विधायक कार्यालय में पंजीयन प्रारंभ होगा। 21 नवंबर की रात 8 बजे विधायक रिकेश ने इस योजना की घोषणा की है। इच्छुक पात्र कर्मकांडी ब्राह्मण विधायक कार्यालय, जीरो रोड, श्वेतांबर जैन मंदिर के सामने, शांतिनगर भिलाई में अपना पंजीयन करा सकेंगे। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि कर्मकांडी ब्राह्मण सनातन परंपराओं, धार्मिक संस्कारों और सामाजिक आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूजा-पाठ और कर्मकांड के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले इन परिवारों को सम्मान और सुविधा देना इस पहल का उद्देश्य है।

आमाटिकरा में एक ही परिवार की 2 बेटियों की मौत से पसरा मातम

● डेढ़ महीने की बहन को खोने के गम में 10 साल की बड़ी बहन ने की इहलीला समाप्त



कोरबा । जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। बांगो थाना क्षेत्र के आमाटिकरा गांव में एक परिवार को कुछ ही घंटों के भीतर अपनी दो बेटियों को खोना पड़ा। डेढ़ महीने की मासूम बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, छोटी बहन की मौत की खबर मिलने के बाद उसकी 10 वर्षीय बड़ी बहन ने भी कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, आमाटिकरा गांव निवासी सुखराम (35) मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी दो बेटियां थीं। बड़ी बेटी रूपकुंवर की उम्र 10 साल थी, जबकि छोटी बेटी रानी महज डेढ़ महीने की थी। बताया गया कि रानी को सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायत थी। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे पोड़ी-उपरोड़ा अस्पताल में भर्ती कराया था। मासूम की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे तीन दिन पहले मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। इसके बाद परिजन उसे वहां लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा था। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद गुरुवार रात रानी ने दम तोड़ दिया। छोटी बेटी की मौत से माता-पिता गहरे सदमे में थे। परिजनों के मुताबिक, छोटी बच्ची की मौत की सूचना गांव में रहने वाले रिश्तेदारों को दी गई थी। इसी दौरान 10 वर्षीय रूपकुंवर को भी अपनी छोटी बहन की मौत की जानकारी मिली।

5 दिन से लापता एएसआई के बेटे का दर्री डेम में मिला तैरता हुआ शव, मोबाइल, बाइक गायब

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के प्रगतिनगर स्थित दर्री डेम में रविवार को एक 21 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अर्जुन सिंह के रूप में हुई है, जो बांगो थाना में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) धनंजय सिंह का बेटा था। युवक 18 नवंबर से लापता था। मछुआरों ने डेम के पानी में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। फिलहाल युवक की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, कुछ मछुआरे मछली पकड़ने के लिए दर्री डेम पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें पानी में एक युवक का शव तैरता दिखाई दिया। मछुआरों ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही दर्री थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मछुआरों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। मौके पर पहुंचे एएसआई धनंजय सिंह ने शव की पहचान अपने बेटे अर्जुन सिंह के रूप में की।

श्री दूधाधारी मठ महोत्सव के दूसरे दिन स्वामी यतिराजाचार्य जी ने किया राम कथा का वाचन, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने व्यास पीठ की पूजा कर लिया आशीर्वाद

● महंत रामसुंदर दास ने किया पूर्व सीएम का स्वागत, बघेल ने छेरछेरा पर्व पर मठ से मिलने वाले दान और शिवरीनारायण दर्शन से जुड़े संस्मरण किए साझा

जांजगीर-चांपा। श्री दूधाधारी मठ महोत्सव के द्वितीय दिवस की कथा का रसपान कराते हुए अवधपुरी धाम (उत्तर प्रदेश) से पधारे अनंत श्री विभूषित स्वामी यतिराजाचार्य जी महाराज ने कहा कि सत्संग जीवन में प्रभु कृपा से ही प्राप्त होता है। श्री रामचरितमानस की चौपाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिस पर भगवान श्रीराम की कृपा होती है, वही सत्संग में पहुंचता है। जहां देवताओं की पूजा, सत्संग



और दान होता है, वही वास्तविक महायज्ञ है। स्वामी जी ने आगे कहा कि काल रूपी सर्प प्रत्येक क्षण हमें ग्रसित कर रहा है, इससे कोई नहीं बच सकता।

यदि काल के भय से बचना है तो भगवान की शरण में आ जाएं, क्योंकि काल भी भगवान का दास बनकर सेवा करता है। मृत्यु से डरने वाले पापी होते हैं, जबकि ऋषि, मुनि और महात्मा इसकी प्रतीक्षा करते हैं। संतों के जीवन में जब सुख आता है तो वे उसे प्रभु कृपा समझते हैं और जब दुःख आता है तो उसे अपने कर्म का फल मान लेते हैं। भगवान के चरणों में निस्वार्थ प्रेम होना ही सच्ची भक्ति है। कथा के द्वितीय सत्र में रविवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ की पूजा-अर्चना कर संतजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राजेश्री महंत रामसुंदर दास जी महाराज ने उनका स्वागत करते हुए मठ से बघेल के आत्मिक लगाव को याद किया। श्रोताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए प्रत्येक छेरछेरा त्योहार पर श्री दूधाधारी मठ आते थे, जहां महाराज जी उन्हें उनके वजन के बराबर अन्न दान देने के साथ ही सवा लाख रुपये छेरछेरा के रूप में प्रदान करते थे। इसके साथ ही वे हर तीन महीने में भगवान शिवरीनारायण के दर्शन और क्षेत्रवासियों से भेंट-मुलाकात के लिए अवश्य पहुंचते थे।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन गीता पाठ, होम हवन, सहस्त्रधारा, कृतज्ञता और भक्ति से सराबोर रहा अंतिम दिन !

जांजगीर-चांपा । गीता भगवान श्रीकृष्ण की वाणी है और यह एक आदर्श ग्रंथ हैं । श्रीमद्भागवत गीता में यही रहस्य छिपा हुआ है कि पूरे संसार को विश्व बंधुत्व के भाव से बांधा जा सकता हैं ,यह बात संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से श्रद्धेय पं राजकुमार शर्मा जी महाराज ने कही। रमेश कुमार - श्रीमति राधा ।सराफ परिवार द्वारा आयोजित कथा का दिनांक 19 नवंबर ,2026 को प्रात:काल 7: 00 बजें से दोपहर 12: 00 बजें तक शिवन्या रेसीडेंसी , चांपा में गीता पाठ ,



पूर्णाहुति, सहस्त्र धारा और अंत में ब्राह्मण भोज के साथ भव्य समापन हुआ । 12 नवंबर से 19 नवंबर तक चले इस आठ दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी । सातवें दिन प्रेस क्लब,चांपा के अध्यक्ष डॉ कुलवंत सिंह सलूजा व वरिष्ठ पत्रकार शशिभूषण सोनी की अगुवाई में व्यासपीठ पर विराजित पं राजकुमार शर्मा व मुख्य यजमान रमेश सराफजी पुष्पाहार, श्रीफल और अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब चांपा के सदस्यता प्रभारी शैलेष शर्मा, कोषाध्यक्ष विक्रम तिवारी, शशिभूषण सोनी, भूपेंद्र देवांगन, महिला पत्रकार सुश्री खूशबू पटेल तथा सहयोगी डॉ रविन्द्र कुमार द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सोनाडीह सीमेंट प्लांट के खिलाफ विधायक इन्द्र साव के नेतृत्व में किसान करेंगे उग्र आंदोलन

बलौदा बाजार। न्यूवोको विस्टास कार्प लिमिटेड सोनाडीह सीमेंट प्लांट की हठधर्मिता और वादाखिलाफी से त्रस्त भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांवों के किसानों के सब्र का बांध अब टूट चुका है। पूर्व में दिए गए अल्टीमेटम और प्रशासनिक पत्राचार के बावजूद सीमेंट प्रबंधन द्वारा भाटापारा शाखा नहर की रेलवे क्रॉसिंग पर पुलिया निर्माण कार्य शुरू नहीं किए जाने के विरोध में क्षेत्र के किसानों ने अब उग्र आंदोलन का मन बना लिया है। किसानों की इस जायज मांग के समर्थन में विधायक इन्द्र साव स्वयं आंदोलन के मैदान में उतरने जा रहे हैं। विधायक इन्द्र साव ने चेतावनी दी है सीमेंट प्लांट प्रबंधन की किसान विरोधी रवैया अब बर्दास्त से बाहर है जब तक नहर



पर पुलिया नहीं तब तक प्लांट का रेल मार्ग बाधित करेंगे। विदित हो कि वर्ष 2015 में सोनाडीह सीमेंट प्लांट के लिए रेलवे लाइन का निर्माण किया गया था। उस समय प्लांट प्रबंधन ने क्षेत्र के किसानों को आश्वस्त किया था कि सिंचाई व्यवस्था बाधित नहीं होने दी जाएगी। लेकिन एक दशक बीत जाने के बाद भी रेलवे लाइन के नीचे भाटापारा शाखा नहर पर पुलिया (कैनाल क्रॉसिंग स्ट्रक्चर) का निर्माण नहीं किया गया है। इससे पहले भी विधायक इन्द्र साव ने नहर विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ स्थल का निरीक्षण किया था, जिसमें यह तथ्य सामने आया था कि भाटापारा शाखा नहर के बाईं अंतिम छोर वितरक नहर की रेलवे क्रॉसिंग पर चार प्रमुख स्थलों (आर.डी. 1980 मी., आर.डी. 240 मी., आर.डी. 3930 मी., और खपरी माइनर के आर.डी. 2810 मी. से 2850 मी. के मध्य) पर पुलिया का निर्माण ही नहीं हुआ है। विभाग द्वारा कई बार पत्राचार और मांग पत्र प्रेषित करने के बावजूद सीमेंट प्रबंधन ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज किया है।

आस्था के साथ मनाई आंवला नवमी, की गई पूजा-अर्चना एवं सामूहिक भोज

जांजगीर-चांपा। आंवला नवमी के अवसर पर शहर एवं आसपास में धार्मिक आस्था और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। हनुमान धारा चांपा, कुदरी बैराज सहित शहर के अन्य स्थानों पर विधि-विधान से आंवले के पेड़ की पूजा और उसकी परिक्रमा कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते देखे गए, साथ ही आंवले के पेड़ की छांव में बैठकर सामूहिक रूप से भोजन किया। इस अवसर पर धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष, दुर्गा उत्सव के प्रमुख राजेश पालीवाल के नेतृत्व में हनुमान धारा के समीप पेड़ों के बीच आंवला नवमी मनाई गई, पश्चात सामूहिक भोज किया गया। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा के साथ माता लक्ष्मी की आराधना की जाती है। पेड़ की परिक्रमा करने से निरोगी काया प्राप्त



होती है। वहीं, आंवले के पेड़ की छांव में बैठकर भोजन करने से घर में धन-संपदा और सुख-समृद्धि आती है। इस दिन आंवले का दान करना भी शुभ माना जाता है। इस अवसर पर राजेश पालीवाल, सचिव पवन अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, प्रदीप गोयल, मनोज कालू अग्रवाल, पंकज चीनू अग्रवाल, कमल बसईवाल, संदीप शर्मा, अमिताभ शर्मा, विक्रम पालीवाल, किशोर गुप्ता, संजय अग्रवाल, सौमित्र शर्मा, देव कुमार पांडे, विजय शर्मा, सीताराम नायक, नारायण अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, सोनू मित्तल सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रकृति और आस्था का अद्भुत संगम स्थल चांदी पहाड़ आश्रम ,गोपाष्टमी महापर्व पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

जांजगीर-चांपा। छोटी-छोटी विशाल चट्टानों और शैल स्तंभों की चोटियों पर चांपा - बलौदा मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल चांदी पहाड़ आश्रम , गुवाबंद पहरिया के पास श्री गोपाष्टमी महापर्व - 2026 बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया । गौं सेवा , प्रकृति और आस्था के त्रिवेणी संगम पर इस आश्रम में भक्तों ने गायों की सेवा की , दर्शन लाभ किए और महाप्रसादी भोजन प्रसाद ग्रहण किया । जिला मुख्यालय जांजगीर-चांपा जिले से 15 किलोमीटर दूर स्थित चांदी पहाड़ में हरियाली के बीच 600 से अधिक गायों की देखभाल होती हैं । यहां गायों के लिए चारा , पानी , चिकित्सा और विश्राम की समुचित व्यवस्था हैं। गौं सेवक एक ब्राह्चारी संन्यासी रामचरण दास जी महाराज के नेतृत्व में आश्रम में नियमित रूप से गौ सेवा का कार्य चलता रहता हैं ।इस अवसर पर चांपा सेवा संस्थान के अध्यक्ष तथा समाजसेवी मनोज कुमार मित्तल तथा प्रिंट मीडिया के शशिभूषण सोनी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में 600 से अधिक गायों की सेवा करना अपने आप में एक महान पुण्य का कार्य हैं । 84 लाख योनियों के प्राणियों में गाय एक ऐसा प्राणी है जिसका मल ही मल नही (गोबर) बल्कि उत्कृष्ट मल शोधक हैं। यह रोगाणु और विषाणु नाशक हैं। वैसे भी ऐश्वर्य और वैभव की दात्री भगवती लक्ष्मी जी को पवित्रता पसंद हैं और गोबर शुचिता कारक हैं। वास्तव में गोबर पंचगव्य का अंश हैं। मनुष्य शरीर के मन, बुद्धि और ज्ञान के लिए आयुर्वेद में पंचगव्य का महत्व बताया गया है और यह गाय के बिना संभव नहीं हैं।

पैसेंजर ट्रेन रहेंगी रद्द, कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस पैसेंजर बनकर चलेगी

6 से 18 दिसंबर तक चांपा में नॉन-इंटरलॉकिंग, ऑटो सिग्नलिंग का होगा काम

कोरबा। बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे चांपा स्टेशन को चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य करेगा। इसके लिए 6 से 18 दिसंबर तक नॉन-इंटरलॉकिंग का काम किया जाएगा। साथ ही चांपा-जांजगीर नैला रेलखंड में ऑटो सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी। इन कार्यों के चलते कोरबा सहित आसपास के क्षेत्रों से गुजरने वाली कई यात्री ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि कुछ का परिचालन बिलासपुर तक सीमित किया जाएगा और कई ट्रेनें देरी से रवाना होंगी। रेलवे के अनुसार बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन परियोजना अंतिम चरण में है। इसके पूरा होने से इस व्यस्त रेल मार्ग की क्षमता बढ़ेगी। यात्री और मालगाड़ियों का



परिचालन बेहतर होगा तथा भविष्य में नई यात्री ट्रेनें चलाने के लिए अतिरिक्त रेल मार्ग उपलब्ध हो सकेगा।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 7 से 18 दिसंबर तक कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस (18250/18249) को कोरबा-बिलासपुर-कोरबा के बीच पैसेंजर ट्रेन के रूप में चलाने का निर्णय लिया है। इससे इस रेलखंड के यात्रियों को कुछ राहत मिलेगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति और समय-सारणी की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

कोरबा की ये ट्रेनें रहेंगी रद्द

6 से 17 दिसंबर तक 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर तथा 7 से 18 दिसंबर तक 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।
7 से 18 दिसंबर तक 68732/68731 बिलासपुर-कोरबा-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी।
7 से 18 दिसंबर तक 68734/68733 बिलासपुर-गेवरारोड-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी।
10 से 12 दिसंबर तक योगनगरी ऋषिकेश से चलने वाली 18478 उत्कल एक्सप्रेस 9 घंटे देरी से रवाना होगी।
12 से 14 दिसंबर तक पुरी से चलने वाली 18477 उत्कल एक्सप्रेस 7 घंटे देरी से रवाना होगी।

एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन भी होगा प्रभावित

7 से 18 दिसंबर तक कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18237) बिलासपुर से प्रारंभ होगी। इस दौरान कोरबा-बिलासपुर के बीच इसका परिचालन रद्द रहेगा। इसी तरह विशाखापट्टनम-कोरबा लिंक एक्सप्रेस (18518) 6 से 17 दिसंबर तक बिलासपुर में समाप्त होगी, जबकि कोरबा-विशाखापट्टनम लिंक एक्सप्रेस (18517) 7 से 18 दिसंबर तक बिलासपुर से प्रारंभ होगी। दोनों ट्रेनों का कोरबा-बिलासपुर के बीच परिचालन नहीं होगा। इसके अलावा कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस (18249) 11 से 15 दिसंबर तक निर्धारित समय से दो घंटे देरी से रवाना होगी। कोरबा-इतवारी शिवनाथ एक्सप्रेस (18239) 13, 14 और 15 दिसंबर को एक घंटे देरी से चलेगी। अन्य कई लंबी दूरी की ट्रेनें भी निर्धारित समय से देरी से रवाना होंगी।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत, दो स्थानों पर चाकू लेकर घूम रहे युवक गिरफ्तार

रायपुर,। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सड़क हादसे और अवैध हथियार रखने के मामले सामने आए हैं। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से 66 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं सिविल लाइन और गंज थाना पुलिस ने अवैध रूप से चाकू लेकर आम लोगों को डराने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में 19 नवंबर की रात करीब 9:40 बजे पचपेड़ी नाका स्थित कलर्स मॉल के सामने सड़क हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, ट्रक क्रमांक सीजी 25 एम 2496 के चालक ने वाहन को तेज और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए एक्टिवा सवार प्रकाशचंद लूजनिया (66 वर्ष) को टक्कर मार दी। हादसे में प्रकाशचंद की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने 20 नवंबर की रात करीब 12:10 बजे राजातालाब स्थित मटन मार्केट के पास कार्रवाई करते हुए प्रकाश नंद (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से अवैध चाकू बरामद किया गया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत कार्रवाई की गई। इसी तरह गंज थाना पुलिस ने 19 नवंबर की दोपहर करीब 3:14 बजे तेलघानी नाका ओवरब्रिज के नीचे दबिश देकर अमित यादव (26 वर्ष) को पकड़ा। आरोपी अवैध रूप से चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित कर रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज किया है।

हॉस्पिटल के पीछे पेंड पर फांसी के फंदे से लटका मिला 35 वर्षीय युवक का शव

रायपुर। जिले के जेंजरा बाइपास स्थित हरिकृष्णा हॉस्पिटल के पीछे एक युवक का शव बबूल के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय शिवचरण साहू, पिता रामकुमार साहू, निवासी ढेलवाड़ी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक का शव जेंजरा बाइपास स्थित हरिकृष्णा हॉस्पिटल के पीछे एक बबूल के पेड़ पर लटका हुआ मिला। प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, युवक ने यह आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है

गिरौदपुरी के ग्राम सुकली में महिला और दो बच्चों की संदिग्ध मौत, जहर सेवन की आशंका

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गिरौदपुरी चौकी क्षेत्र के ग्राम सुकली में शुक्रवार सुबह एक महिला और उसके दो बच्चों के शव घर के कमरे में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में 28 वर्षीय महिला युक्ति मानिकपुरी, उसका 10 वर्षीय बेटा चिरंजीव मानिकपुरी और करीब 5 वर्षीय बेटा दिव्यांश मानिकपुरी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर 2026 को सुबह करीब 4 बजे तीनों की मौत की सूचना मिलने पर गिरौदपुरी चौकी पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची। प्रारंभिक जांच में तीनों की मौत जहर सेवन से होने की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राधा-कृष्ण मंदिर में की पूजा-अर्चना,भजन-कीर्तन में हुए शामिल

लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध-साय

- मुख्यमंत्री ने 62 कीर्तन मंडलियों को वाद्य यंत्र, वेशभूषा एवं अन्य आवश्यक सामग्री के लिए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पमशाला में ईब नदी के तट पर स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर (कंवर धाम) में आयोजित कार्तिक मास के भजन-कीर्तन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी एवं कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साय के साथ भगवान श्री राधा-कृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय और श्रीमती कौशल्या साय ने श्रद्धालुओं एवं कीर्तन मंडलियों के साथ मंजीरा बजाकर भजन-कीर्तन में सहभागिता की। भगवान श्री राधा-कृष्ण के भजनों और संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर क्षेत्र की सभी 62 कीर्तन मंडलियों को वाद्य यंत्र, वेशभूषा एवं अन्य आवश्यक सामग्री क्रय करने के लिए शासन की ओर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भजन-कीर्तन हमारी समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। इन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि ग्राम पमशाला स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में 27 अक्टूबर से कार्तिक मास के



अवसर पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे और शाम 5 बजे से भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें क्षेत्र की 62 कीर्तन मंडलियां पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता कर रही हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर भगवान श्री राधा-कृष्ण की आराधना कर रहे हैं। महीने भर चलने वाले इस धार्मिक आयोजन का समापन 24 नवंबर को होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ और अनमोल है। इसकी वास्तविक सार्थकता दूसरों के काम आने, जरूरतमंदों की सहायता करने और समाज के कल्याण के लिए कार्य करने में है। दूसरों के दुख-दर्द को समझना और उनकी पीड़ा दूर करने का प्रयास करना ही सबसे बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी धार्मिक परंपराएं केवल आस्था और पूजा-पाठ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हमें सेवा, सद्भाव, परोपकार और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी देती हैं। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा और विकास के साथ नई पीढ़ी का अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जुड़े रहना भी उतना ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्तिक मास के दौरान निरंतर भजन-कीर्तन करने वाली सभी 62 मंडलियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन मंडलियों के समर्पण और श्रद्धा से हजारों लोगों को भगवान श्री राधा-कृष्ण की भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं से है। कर्मा, दमकच, झूमर और महादेव नाचा जैसी लोक सांस्कृतिक विधाएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इन परंपराओं में हमारे पूर्वजों का ज्ञान, जीवन दर्शन और सामाजिक एकता की भावना समाहित है। इन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का साझा दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जशपुर में मेडिकल की पढ़ाई शुरू होना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे क्षेत्र के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने ही जिले में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे।

कांग्रेस में आंतरिक कलह और गुटबाजी चरम पर-पाण्डेय.....

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रदेश कांग्रेस की वर्तमान स्थिति और सांगठनिक बदलावों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से द्वेष, क्लेश, कलह और गुटबाजी में फँस चुकी है। श्री पाण्डेय ने कांग्रेस नेताओं की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी के भीतरअपनी ढफली, अपना राग, अपना नगाड़ा, अपना फाग जैसी स्थिति बनी हुई है। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस में किसी भी नेता के बीच आपसी समन्वय नहीं है और हर कोई अपनी अलग दिशा में चल रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का उल्लेख करते हुए पाण्डेय ने कहा कि भूपेश बघेल और ताम्रध्वज साहू एक ही डाल पर नजर आ रहे हैं, जबकि देवेंद्र यादव राजनीतिक रूप से डाउनफॉल (पतन) की ओर हैं। भिलाई की राजनीति और आपसी खींचतान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस में हमारी बिल्ली, हमीं से म्याऊँ के हालात पैदा हो गए हैं, जहाँ नेता एक-दूसरे को ही घेरने और नीचा दिखाने में लगे हुए हैं। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने हाल ही में कांग्रेस संगठन द्वारा किए गए बदलावों और तीन प्रभारी सचिवों को हटाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तीन प्रभारी सचिवों की छुट्टी कर दी गई है, जो पार्टी की अस्थिरता को दर्शाता है। पाण्डेय ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि लगातार गिरते जनाधार और अंदरूनी बिखराव से उबरने के लिए कांग्रेस नेतृत्व को अब मुगली घुट्टी 555 पीने की आवश्यकता है।

शराब घोटाले में भूपेश बघेल, कवासी लखमा की भूमिका पर पार्टी जवाब दे : उज्ज्वल दीपक

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उनके परिवार, तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा और राजीव भवन में पदस्थ पदाधिकारियों की कथित भूमिका पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उज्ज्वल दीपक ने कहा कि ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल की 'विट्ठल ग्रीन' नामक संपत्ति का भौतिक कब्जा लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि



उक्त संपत्ति शराब घोटाले से अर्जित कथित अवैध आय के निवेश से बनाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि ईडी ने चैतन्य बघेल को इस मामले में मुख्य सरगना बताते हुए पैसों के लेन-देन और हिसाब-किताब की जिम्मेदारी संभालने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ दौरे पर आए कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत को इस मामले में प्रेसवार्ता कर प्रदेश की जनता के सामने पार्टी का पक्ष रखना चाहिए। कांग्रेस को बताना चाहिए कि पिछली सरकार के पांच साल के कार्यकाल में हुए कथित शराब घोटाले में पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों की क्या भूमिका रही है। उज्ज्वल दीपक ने आरोप लगाया कि एक संगठित सिंडिकेट के जरिए सरकारी शराब दुकानों से निजी शराब की बिक्री कर करीब 3,000 से 3,200 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि कथित घोटाले की रकम कहां गई? क्या इसका इस्तेमाल चुनावों में किया गया, पार्टी के राजीव भवन तक पैसा पहुंचा या किसी रियल एस्टेट परियोजना में निवेश किया गया? उन्होंने कांग्रेस से यह भी पूछा कि शराब घोटाले में आरोपों का सामना कर रहे नेताओं और पदाधिकारियों के खिलाफ पार्टी ने क्या कार्रवाई की है।

दूर तलक देखते ही बनती है खुबसूरत गेंदा के फूलों की रंगत.....



- शासन के उद्यानिकी विभाग से मिला तकनीकी मार्गदर्शन, 7 से 8 एकड़ में गेंदा फूल की खेती कर कमा रहे लाखों रूपये

रायपुर/ संवाददाता

दूर तलक क्यारी में फैले खुबसूरत गेंदा के फूलों की रंगत देखते ही बनती है। यह गेंदा के फूलों की क्यारी है, लैलूंगा विकासखंड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान विद्याधर पटेल की। जिन्होंने शासन के उद्यानिकी विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन लेते हुए गेंदा के फूलों की उम्दा खेती की है। वे 7 से 8 एकड़ में गेंदा के फूलों का उत्पादन कर रहे हैं। उनके खेतों में तैयार गेंदा फूल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों सारंगढ़, रायगढ़, सक्ती, चांपा, कोरबा, अंबिकापुर और जशपुर के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा तक भेजे जा रहे हैं। सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, संबलपुर और बरगढ़ सहित ओडिशा के कई क्षेत्रों में फूलों की नियमित आपूर्ति की जाती है। उन्होंने बताया कि गेंदा फूल की खेती में एक एकड़ से लगभग 5 लाख रुपये तक की बिक्री होती है, जबकि प्रति एकड़ करीब 1 से 1.5 लाख रुपये तक लागत आती है। दशहरा से दीपावली तक फूलों की बहुत डिमांड रहती है। उन्होंने बताया कि सालाना लगभग 35 लाख तक कि आमदनी गेंदा की खेती से हो जाती है। सीजन के दौरान प्रतिदिन लगभग 12 से 15 वाहनों में फूल भेजे जाते हैं। इस खेती से वे स्वयं बेहतर आमदनी अर्जित करने के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं। किसान विद्याधर पटेल ने बताया कि वे पहले सब्जी-भाजी की खेती कर रहे थे। इस दौरान रायपुर और रायगढ़ में शासन द्वारा आयोजित कृषि प्रदर्शनी में गमलों के माध्यम से सब्जियों की खेती का प्रदर्शन भी करते थे। इन्हीं प्रदर्शनी में गेंदा फूल की अच्छी मांग और बिक्री देखकर इसकी व्यावसायिक खेती शुरू करने के लिए प्रेरित हुए। इसके बाद उन्होंने गेंदा फूल की खेती शुरू की और अनुभव के साथ धीरे-धीरे इसका रकबा बढ़ाते चले गए। शुरुआती दौर में गेंदा फूल की खेती के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। समय पर बिक्री नहीं होने से फूल खराब होने और लागत डूबने का खतरा भी रहता था। इस समस्या का समाधान निकालते हुए उद्यानिकी विभाग से मार्गदर्शन लेकर उन्होंने नवीन वैज्ञानिक तरीके से पॉलीबैग में पौधे तैयार करना शुरू किया।

राहुल गांधी देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं : उपमुख्यमंत्री अरुण

रायपुर। संवाददाता



उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। वे देश को कमजोर करने और अराजकता फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। चुनाव में गड़बड़ी की शिकायत के लिए न्यायालय जाने का संवैधानिक रास्ता है। लेकिन राहुल गांधी न्यायालय में जाने के बजाय चुनाव परिणामों पर बेबुनियाद सवाल उठा रहे हैं। उन्हें न संविधान पर भरोसा है और न ही देश की न्याय व्यवस्था पर। श्री साव ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास ही चुनावी अनियमितताओं से जुड़ा रहा है। एक समय न्यायालय ने कांग्रेस के प्रधानमंत्री के चुनाव को अनैतिक आचरण के आधार पर अमान्य ठहराया था। इसके बावजूद आज कांग्रेस दूसरों पर सवाल उठा रही है। जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें बढ़ी थी। वर्ष 2018 के मुकाबले उसे अधिक सीटें मिलीं। इसके बाद भी राहुल गांधी लगातार झूठ और भ्रामक आरोपों के जरिए देश को बदनाम करने में जुटे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की जनता सब कुछ देख और समझ रही है। देश की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने और विकास की राह में बाधा डालने वालों को जनता उचित जवाब देगी। देश को कमजोर करने और अराजकता फैलाने की राजनीति अब अधिक समय तक नहीं चलने वाली है। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर रही है। जहां भी भ्रष्टाचार की शिकायत मिलती है, वहां ठोस कार्रवाई की जाती है। सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। यह विष्णु का सुशासन है। भ्रष्टाचार में शामिल व्यक्ति चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

स्टेशनरी दुकान और ग्लास फैक्ट्री में चोरी का खुलासा

रायपुर। मनेन्द्रगढ़ जिले की सिटी कोतवाली पुलिस ने दो व्यापारिक प्रतिष्ठानों में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के चार बड़े मोटर पंप और 5 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बरामद माल-मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 65 हजार रुपये बताई गई है। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, पहला मामला 24 अक्टूबर 2026 का है। पेण्ड्रा दफाई निवासी हसन (40) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने उनकी स्टेशनरी दुकान की छत की शीट निकालकर 40 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए हैं। इस मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 262/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। वहीं, दूसरा मामला 12 नवंबर का है। मनेन्द्रगढ़ निवासी मोती उर्फ रहमान (46) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी ग्लास निर्माण से संबंधित अंडरग्राउंड फैक्ट्री से चार बड़े मोटर पंप चोरी हो गए हैं। इस मामले में अपराध क्रमांक 290/2026 के तहत प्रकरण दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। दोनों मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। स्टेशनरी दुकान में चोरी के मामले में अंकित सिंह और शेखर राज को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में दोनों ने 40 हजार रुपये चोरी करने और आपस में 20-20 हजार रुपये

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन की धूम

बस्तर के पर्यटन स्थलों और लोक संस्कृति ने मोहा दिल्लीवासियों का मन

- छत्तीसगढ़ पवेलियन में उमड़ा जनसैलाब, प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को मिली नई पहचान

रायपुर/ संवाददाता

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की अपार संभावनाएं देशभर के आगंतुकों को आकर्षित कर रही हैं। रविवार के अवकाश के कारण व्यापार मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों के बीच छत्तीसगढ़ पवेलियन विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल पर आगंतुकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बस्तर के अनछुए पर्यटन स्थलों की मनमोहक तस्वीरों, चित्रकोट जलप्रपात के आकर्षक प्रतिरूप, आधुनिक आभासी वास्तविकता तकनीक और छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की जीवंत प्रस्तुतियों ने दिल्लीवासियों को छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विविधता से रूबरू कराया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास को नई दिशा मिल रही है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के प्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन की प्रभावशाली उपस्थिति राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देशभर के पर्यटकों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल पर बस्तर अंचल के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की नई संभावनाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहे बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित मनोरम जलप्रपात, पर्वतीय स्थल, ऐतिहासिक धरोहर और जनजातीय संस्कृति के प्रति आगंतुकों ने विशेष



रुचि दिखाई। स्टॉल पर उपस्थित पर्यटन विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री प्रमिल वर्मा ने आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नारायणपुर जिले के प्रसिद्ध हांदवाड़ा जलप्रपात, जिसे बाहुबली जलप्रपात के नाम से भी जाना जाता है, की प्राकृतिक भव्यता से लोगों को परिचित कराया। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित इस जलप्रपात की खूबसूरती ने पर्यटकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। इसी प्रकार दंतेवाड़ा जिले की ऊंची पहाड़ी पर स्थित प्राचीन ढोलकल गणेश प्रतिमा, बीजापुर जिले के नंबी जलप्रपात और कोंडागांव जिले के टाटामारी पर्यटन स्थल की जानकारी प्राप्त करने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग स्टॉल पर पहुंचे। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं, जनजातीय आस्था और सांस्कृतिक विशेषताओं के बारे में जानकर आगंतुकों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की। पर्यटन स्टॉल पर छत्तीसगढ़ के धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से महान संत बाबा गुरु घासीदास की तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में स्थित कुतुब मीनार से भी ऊंचे विशाल जैतखाम की भव्यता ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। लोगों ने प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक मंदिरों और सांस्कृतिक परंपराओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बस्तर प्रवास तथा दीपावली मिलन से जुड़े प्रसंगों की जानकारी भी आगंतुकों को दी गई। बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास के साथ पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं के प्रति लोगों ने उत्साह व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का आकर्षक प्रतिरूप आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। भारत के नियाग्रा के नाम से प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात की सुंदरता को दर्शाने वाले इस प्रतिरूप के सामने तस्वीरें खिंचवाने और सेल्फी लेने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

संपादकीय

इंस्टाग्राम पर क्या दिखेगा और क्या छिपेगा, कंटेंट की निगरानी पर उठे सवाल

डिजिटल सुरक्षा आवश्यक है और इससे व्यापक हित सुनिश्चित होना चाहिए। लेकिन स्वस्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया मंचों की विश्वसनीयता इसी पर निर्भर करेगी।भारत में इंस्टाग्राम की सामग्री सिफारिश प्रणाली में बदलाव की मेटा की घोषणा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल युग की एक महत्त्वपूर्ण चुनौती की ओर संकेत करती है। आज सोशल मीडिया मंच महज संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सूचना, विचार और जनमत को प्रभावित करने वाली शक्तिशाली संस्थाएं बन चुके हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर कौन तय करेगा कि उपयोगकर्ता क्या देखें और क्या नहीं।

मेटा का कहना है कि उन्नत कृत्रिम मेधा की मदद से यौन संकेतों वाली और हिंसक सामग्री की दृश्यता कम की जा रही है। भारत जैसे देश में, जहां करोड़ों युवा और किशोर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, यह पहल स्वागतयोग्य है।

लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि एल्गोरिद्म अक्सर ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं जो सनसनी, उत्तेजना व विवाद के जरिए अधिक जुड़ाव पैदा करती है। इससे सामाजिक तनाव, गलत सूचना व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ते हैं। इस पहल का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।दरअसल, कई उपयोगकर्ताओं की शिकायत रही है कि संदर्भविहीन शिकायतों के आधार पर उनकी वैसी सामग्री भी तुरंत हटा दी जाती है, जिनका संदर्भ किसी जरूरी मसले पर असहमति जताने भर से होता है या वह किसी मामले का दूसरा पक्ष होता है।

दूसरी ओर, कई बार विवादास्पद सामग्री लंबे समय तक मंच पर रहती है और प्रसार भी पाती है। यह विरोधाभास बताता है कि निगरानी की व्यवस्था त्रुटिरहित नहीं है।यहीं पारदर्शिता का प्रश्न सामने आता है। यदि किसी सामग्री को सीमित किया जाता है तो उसके मानक स्पष्ट होने चाहिए।

साथ ही, उपयोगकर्ताओं को निष्पक्ष अपील और समीक्षा की प्रभावी व्यवस्था भी मिलनी चाहिए। केवल यह दावा करना पर्याप्त नहीं कि शिकायतें घटी हैं, कंपनियों को निर्णयों की प्रक्रिया और मापदंडों को भी सार्वजनिक करना चाहिए।डिजिटल सुरक्षा आवश्यक है और इससे व्यापक हित सुनिश्चित होना चाहिए। लेकिन स्वस्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया मंचों की विश्वसनीयता इसी पर निर्भर करेगी। आखिरकार, समस्या यह नहीं कि लोगों को क्या दिखाया जा रहा है, यह भी है कि क्या छिपाया जा रहा है और किस आधार पर।

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी

इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है।



पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मीरा राजपूत का स्ट्रेच मार्क ना छिपाना, इस टैबू को ब्रेक करेगा और आम लड़कियों को हिम्मत देगा

(ज्योति गुप्ता)

प्रेग्नेंसी में स्ट्रेच मार्क्स का पड़ना एकदम नॉर्मल है मगर इसका दिखना अच्छा नहीं माना जाता। कई बार कोई महिला ही किसी दूसरी महिला को इसके लिए टोक देती है। मीरा राजपूत ने अपने स्ट्रेच मार्क्स को न छिपाकर उन लोगों को जवाब दिया है जो प्रेगनेंसी के बाद भी किसी महिला की खूबसूरती को परफेक्ट फिगर के पैमाने पर तौलते हैं। मीरा राजपूत दो बच्चों की माँ हैं। मीरा ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने स्ट्रेच मार्क्स दिखाकर मदरहुड और रियल बॉडी के बारे में चर्चा छेड़ दी है। सोशल मीडिया पर बहुत से लोग स्ट्रेच मार्क्स को छिपाने का प्रयास न करने के लिए मीरा की तारीफ कर रहे हैं। मीरा 22 साल की उम्र में मां बनी थीं। उनके पति शाहिद कपूर फिल्म अभिनेता हैं। मीरा चाहतीं तो आसानी से अपने स्ट्रेच मार्क्स को कंसीलर से छिपा सकती थीं मगर उन्होंने ऐसा ना करके आम लड़कियों को हिम्मत दी है।





गोरी रंगत और पतली कमर नहीं है खूबसूरती का पैमाना : खूबसूरती का पैमाना सिर्फ गोरी रंगत और पतली कमर तक सीमित नहीं है। जब एक महिला मां बनती है तो उसके शरीर में तमाम तरह के बदलाव होते हैं, वह अपने अंदर एक नया जीवन पाल रही होती है जिसका उसका शारीरिक और मानसिक बनावट पर कभी न खत्म होने वाला असर होता है। इसके बाजवूद कुछ लोग सोचते हैं कि बच्चा पैदा करने के बाद वह जल्द से जल्द पहले वाले बॉडी शेप में आ जाए। कुछ दिनों पहले की ही बात है मां बनने के बाद जब पहली बार बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की तस्वीरें सामने आई थीं तो उनके लुक को लेकर उन्हें ट्रोल किया गया था। जिस पर बाद में उन्होंने कहा भी था कि मेरे लिए अब खूबसूरती के मायने बदल गए हैं। खूबसूरत महसूस करना अब मेरी प्राथमिकता है। दरअसल, मीरा अपने देवर ईशान खट्टर के साथ स्टार्स से भरे अर्थशॉट प्राइज 2026 में शामिल हुई थीं। इस इवेंट के लिए उन्होंने एक इलेक्ट्रिक ब्लू ड्रेस पहनी थी, जिसमें कमर के चारों ओर एक कटआउट डिजाइन था और गले पर एक सुंदर कपड़े का सैश लपेटा हुआ था। इस समय शानदार ड्रेस पर लोगों का ध्यान कम गया और उनके स्ट्रेच मार्क पर चर्चा होने लगी। मीरा ने बता दिया है कि स्ट्रेच मार्क्स नॉर्मल हैं और इसे दिखाना गर्व की बात है।

आम महिलाओं पर बढ़ता दबाव : खैर, लोगों ने तो मिस वर्ल्ड और खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को भी उनके मोटापे को लेकर ट्रोल कर दिया तो आम औरतों की बात तो छोड़ ही दीजिए। सोशल मीडिया के इस युग में आम महिलाएं भी खूबसूरत दिखने का दबाव कहीं ना कहीं महसूस कर रही हैं। हर वक्त कोई कैसे खूबसूरत दिख सकता है, आखिर कोई खुद को कितना मेंटेन रख सकता है। तमाम तरह की प्रोडक्ड कंपनियां हर वक्त यही बताने में लगी रहती हैं कि कैसे आप अपनी उम्र से कम दिख सकते हो यानी कोई चैन से बूढ़ा भी नहीं हो सकता है, मानो जैसे बूढ़ा होना शर्मिंदगी की बात है।

हर किसी का शरीर अलग है, अगर कोई मां बनने के कुछ ही महीने बाद फिट हो सकता है अच्छी बात है और अगर कोई अपने नए शरीर के साथ खुश है तो उसे खुश रहने दीजिए। तुम मोटी हो गई, तुम्हारे चेहरे पर पिंपल क्यों आने लगे हैं, तुम्हारा पेट क्यों निकल गया या तुम पहले से अब अलग दिखने लगी हो जैसे सवाल करके किसी महिला को परेशान नहीं करना चाहिए। अगर कोई एक्ट्रेस या चर्चित हस्ती मां बनने के बाद दुबारा फिट नजर आने लगती है तो मीडिया में उन्हें ऐसे ट्रीट करते हैं जैसे उन्होंने कोई ट्राफी जीत ली हो। इस तरह हम जाने-अनजाने इसे न्यू नॉर्मल बनाने लगते हैं। हम भूल जाते हैं कि सेलिब्रिटी के पास फिटनेस मेंटेन करने के लिए पूरी टीम होती है जो उनके डाइट, वर्कआउट और रूटीन का पूरा ख्याल रखती है। सेलिब्रिटी की लाइफस्टाइल से उपजी उम्मीदों को आम लड़कियों पर थोपना उन्हें मानसिक दबाव में ला देता है। ऐसा न कर पाने पर उन्हें लगता है कि उनमें कोई कमी है या वह कोई अपराध कर रही हैं।

महिलाएं भी करती हैं कमेंट : प्रेग्नेंसी में स्ट्रेच मार्क का पड़ना सामान्य है मगर इसका दिखना अच्छा नहीं माना जाता। कई बार कुछ महिलाएं ही किसी दूसरी महिला को इसके लिए टोक देती हैं। महिलाओं को ध्यान रखना चाहिए कि स्ट्रेच मार्क को सामान्य तरीके से लेने की शुरुआत उन्हें ही करनी होगी। तब जाकर अन्य लोग उन्हें सामान्य मानना शुरू करेंगे। मीरा राजपूत ने अपने स्ट्रेच मार्क्स को न छिपाकर एक टैबू ब्रेक किया है। वह खुद एक सेलिब्रिटी हैं इसलिए उनकी पहल का व्यापक असर होगा और आम लड़कियों को इससे हिम्मत मिलेगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने कसी कमर

मुख्यमंत्री योगी यह बात भी अवश्य बताते हैं कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अब तक प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। आठ हजार लेखपालों और 32 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती पूरी हो चुकी है। सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। अगले दस दिनों में 42 हजार होमगार्डों को भी नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षा विभाग, लोकसेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां होंगी।

(मृत्युंजय दीक्षित)

साथ ही मुख्यमंत्री योगी अपनी सरकार में 2019 से अभी तक युवाओं के लिए हुए कार्यों की जानकारी देते हुए अगली सरकार में युवाओं के लिए किए जा रहे संकल्पों की झलक भी दिखाई। योगी ने युवाओं से वादा किया कि आगामी 26 जनवरी तक युवाओं को एक लाख नौकरियां और दी जाएंगी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और संगठन बल के साथ अपनी तैयारियों को अंतिम स्वरूप प्रदान करने में जुट गई है। भाजपा ने युवा, महिला, किसान व गरीब समाज को साधने के लिए सरकारी खजाना खोल दिया है। समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी पहुँच को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योजनाओं की बहार ला रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा तब और अब के अंतर को बताते हुए जनता के मध्य उतर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी अब हर उत्सव के दौरान जनमानस को यह बता रहे हैं कि उपद्रव से उत्साह की यात्रा नए उप्र की पहचान बन चुकी है। प्रदेश सरकार वर्तमान समय में जहां अपने संकल्प पत्र को पूर्णता प्रदान करने की ओर अग्रसर है वहीं नये लक्ष्यों का भी संकल्प लिया जा रही है। योगी आदित्यनाथ हिन्दू समाज को एकजुटता प्रदान करने का कोई अवसर नहीं चूक रहे हैं। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल से युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट वितरण



अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर और हरदोई के 300 से अधिक शिक्षण संस्थानों के 50 हजार से अधिक युवाओं को टैबलेट दिया। मुख्यमंत्री योगी ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं से अपना नाम मतदाता सूची मे दर्ज करवाने की अपील करते हुए उनसे बजरंग बली की तरह अपनी शक्ति पहचानने का आह्वान भी किया।

साथ ही मुख्यमंत्री योगी अपनी सरकार में 2019 से अभी तक युवाओं के लिए हुए कार्यों की जानकारी देते हुए अगली सरकार में युवाओं के लिए किए जा रहे संकल्पों की झलक भी दिखाई। योगी ने युवाओं से वादा किया कि आगामी 26 जनवरी तक युवाओं को एक लाख नौकरियां और दी जाएंगी। पहले चरण में अभी तक 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दिए जा चुके हैं। इनमें इन्फोसिस के सहयोग से अनेक पाठ्यक्रमों की डिजिटल सामग्री मुफ्त उपलब्ध कराई है। इनमें योग से लेकर एआई और डीपटेक जैसे आधुनिक विषय शामिल हैं। युवा साथी ऐप के माध्यम से छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम और सीएम इंटर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और पीएम मुद्रा सहित केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलेगी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती अवसर पर यह योजना प्रारंभ की गई थी और दो करोड़ युवाओं को डिजिटल उपकरण देने का संकल्प लिया गया था। आईआईएम लखनऊ से कराए गए अध्ययन में इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए और अब युवाओं को स्मार्टफोन की जगह टैबलेट दिए जा रहे हैं। इस समय उत्तर प्रदेश भारत का सबसे युवा प्रदेश है, जहां 56 से 60 प्रतिशत आबादी युवा वर्ग की है। देश की राजधानी दिल्ली में नीट की परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आक्रोश भारत सरकार ने झेला था तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद त्याग भी करना पड़ा था। कॉकरोच जनता पार्टी ने स्कूल-कालेजों की बदहाली के नाम पर उत्तर प्रदेश में भी युवाओं को भड़काने का असफल प्रयास किया किंतु प्रदेश सरकार की सतर्कता के कारण अराजक तत्व प्रदेश के युवाओ को भड़काने में नाकाम रहे। प्रदेश सरकार युवाओं को यह भी बता रही है कि 2017 से पूर्व प्रदेश में युवाओं के समक्ष पहचान का संकट था जबकि आज वे गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का निवासी बताते हैं। मुख्यमंत्री योगी यह बात भी अवश्य बताते हैं कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अब तक प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। आठ हजार लेखपालों और 32 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती पूरी हो चुकी है।सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है।अगले दस दिनों में 42 हजार होमगार्डों को भी नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षा विभाग, लोकसेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां होंगी। अभी तक शिक्षा विभाग के 3,568 पंचायती राज विभाग के 1,375 खेल कोटे के 470 फोरेंसिक विभाग के 28, पुलिस के 4,543 उपनिरीक्षकों और राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। प्रदेश के युवाओं को केवल सरकारी नौकरी ही नहीं दी जा रही है अपितु विभिन्न माध्यमों से अन्य रोजगार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप थे किंतु आज 25 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। बदलते यूपी मे आज ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर अमेठी में ए के -203 राइफल का निर्माण हो रहा है। देश में बनने वाले 55 प्रतिशत मोबाइल फोन और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रोनिक कंपोनेंट का निर्माण यूपी में हो रहा है। लखनऊ की एचसीएल इकाई में एक समय केवल 100 कर्मचारी थे आज उनकी संख्या 18 हजार है। आज का उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं रहा क्योंकि अब प्रदेश दंगा मुक्त, माफिया मुक्त व अराजकता मुक्त हो चुका है। कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक हो जाने के कारण अब निवेशक भी प्रदेश की विभिन्न योजनाओं में निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं जिसके कारण युवाओं को रोजगार व नौकरी के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। युवाओं को नौकरी के लिए विदेश जाने के अवसर भी सुलभ हो रहे हैं। कौशल विकास के भी कई कार्यक्रम चल रहे हैं। आगामी समय में प्रदेश सरकार छात्राओं के कल्याण के लिए रानी लक्ष्मीबाई योजना के अंतर्गत छात्राओं को स्कूटी वितरण का अभियान प्रारंभ करेगी।

वन ब्लॉक व वन पूर्व सैनिक योजना से भी युवाओं को प्रशिक्षण देने का अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में एक पूर्व सैनिक को जिम्मेदारी देकर स्थानीय युवाओं को सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और अग्निवीर भर्ती की तैयारियों के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। प्रदेश सरकार चुनावों की घोषणा के पूर्व अभी अपने तरकश से कुछ और तीर निकाल सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मरीजों से सीधे संवाद कर जानी उपचार व्यवस्था, जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं का सीएमएचओ ने लिया जायजा

● कलेक्टर के निर्देशानुसार स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं की सतत निगरानी



सारंगढ़-बिलाईगढ। राज्य शासन द्वारा आम नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने तथा मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष पहल की जा रही है। कलेक्टर साहू द्वारा स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की नियमित समीक्षा के साथ मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव ने जिला अस्पताल सारंगढ़ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. वैष्णव ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का अवलोकन करते हुए मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, उपचार व्यवस्था, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपलब्धता तथा अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में उपचार कराने पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान मरीजों से चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे उपचार, आवश्यक जांच, दवाइयों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों के व्यवहार के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मरीजों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश

सीएमएचओ डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ संवेदनशील, सहयोगात्मक एवं आत्मीय व्यवहार किया जाए। मरीजों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुरूप समय पर चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक जांच एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के साथ मरीजों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील व्यवहार भी स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार लाने, स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में आपसी समन्वय बनाए रखने तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पात्र मरीजों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अस्पताल प्रबंधन से स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन एवं व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिले के शासकीय अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पतालों की व्यवस्थाओं, चिकित्सकीय सेवाओं, दवाइयों की उपलब्धता एवं मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि आम नागरिकों को उनके नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) दीपक सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं जिला अस्पताल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओपीडी और आईपीडी की व्यवस्थाओं की ली विस्तृत जानकारी

सीएमएचओ डॉ. रुचैष्णव ने जिला अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) एवं अंतरंग रोगी विभाग (आईपीडी) की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक जायसवाल से प्रतिदिन ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों की संख्या, अस्पताल में भर्ती मरीजों की स्थिति, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपलब्धता, आवश्यक जांच सुविधाओं तथा दवाइयों की व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। इसके साथ ही अस्पताल में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं तथा उपचार के दौरान उन्हें किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।



खपरीडीह क्षेत्र में अवैध रेत पर की गई कार्रवाई, 1 जेसीबी लोडर, 1 हाइवा एवं 2 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत खपरीडीह अवैध रेत परिवहन के मामले में कार्रवाई करते हुए 1 जेसीबी लोडर, 1 हाइवा एवं 2 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इस दौरान तहसीलदार प्रशांत पटेल सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। दर्ज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।



कंपोजिट मदिरा दुकान गिधपुरी से शराब बिक्री रकम गबन करने वाला आरोपी सुपरवाइजर गिरफ्तार

बलौदा बाजार। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा आर्थिक अपराधों, गबन एवं धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना गिधपुरी पुलिस और सायबर सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए देशी कंपोजिट मदिरा दुकान गिधपुरी की बिक्री राशि 20,46,730 का गबन कर फरार हुए आरोपी सुपरवाइजर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। घटना का प्रार्थी रजनीश प्रसाद साव उम्र 41 वर्ष, निवासी- सुभाष नगर, अंबिकापुर, जिला सरगुजा, हाल पता- कृष्णायन कॉलोनी, बलौदाबाजार द्वारा दिनांक 16.11.2026 को थाना गिधपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि सीएमएस इंफो सिस्टम्स लिमिटेड के कैश कलेक्टर द्वारा फोन पर सूचना दी गई कि देशी कंपोजिट मदिरा दुकान गिधपुरी के सुपरवाइजर गेवेन्द्र बंजारे द्वारा बिक्री की राशि जमा नहीं की जा रही है। कैश देने के लिए कहने पर आरोपी ने हामी भरी, लेकिन शाम करीब 04 से 4:30 बजे के आसपास अपना मोबाइल बंद कर दिया और फरार हो गया।

भटगांव के दुबे परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा के चौथे दिन मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव





वामन चरित्र सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ में कथा श्रवण करने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है जहां 17 नवम्बर को भव्य कलश यात्रा के साथ कथा प्रारम्भ हुई जो 24 नवंबर तक आयोजित है.वहीं श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा वाचक परम पूज्य श्री पवन कुमार त्रिपाठी जी महाराज ने भगवान वामन के चरित्र का वर्णन किया।महाराज जी ने बताया कि भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि के अहंकार को चूर किया और तीन पग में तीनों लोक नाप लिए। दान में ही धर्म है और अहंकार में ही पतन है. यही वामन चरित्र का संदेश है।इसके बाद श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया। जैसे ही नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की की गूंज उठी, पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर बाल गोपाल का जन्मोत्सव मनाया। महिलाओं ने सोहर गाया और श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को बधाई दी। वहीं कथा श्रवण हेतु सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी जांगड़े एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय भूषण पाण्डेय सहित नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे, उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन सहित नगर पंचायत के पार्षदगण व प्रतिनिधिगण अपने परिवार सहिये शामिल हुए। उन्होंने व्यासपीठ का आशीर्वाद लिया।इस दौरान अतिथियों का दुबे परिवार द्वारा अंगवस्त्र, भगवान श्रीकृष्ण-राधा का छायाचित्र एवं श्रीमद् भगवद् गीता भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं कथा के 6 वे दिन आज रास महोत्सव एवं कंस वध कथा में बिलाईगढ़ विधायक श्रीमती कविता प्राण लहरे एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया शामिल होंगे।

तपोभूमि पर मुझे कथा वाचन करने का अवसर प्राप्त हुआ है यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है : यतिराजाचार्य जी

श्री दूधाधारी मठ महोत्सव का हुआ शुभारंभ



भटगांव। श्री दूधाधारी मठ सत्संग भवन मठपारा रायपुर में संगीतमय श्री राम कथा एवं भव्य संत सम्मेलन का शुभारंभ देव उठनी एकादशी के पावन अवसर पर हुआ अवधपुरी धाम (उत्तर प्रदेश) से पधारे हुए अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी यतिराजाचार्य जी महाराज ने पूजा अर्चना एवं हनुमान चालीसा संपन्न होने के पश्चात श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि - ब्रह्मलीन श्री स्वामी बलभद्र दास जी महाराज जिसे आप लोग दूधाधारी महाराज के रूप में जानते हैं उनकी तपो भूमि पर मुझे श्री रघुनाथ जी की कथा कहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुझे मालूम है इस भूमि पर भारत वर्ष के अनेक श्रेष्ठतम आचार्य कथा वाचन कर चुके हैं, पूज्य आचार्य राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज स्वयं डॉक्टरेट एवं डिलीट की उपाधि प्राप्त हैं उन्होंने स्वयं वाल्मीकि रामायण पर शोध किया है ऐसे महान विभूति के सानिध्य में कथा सुनाने का अवसर प्राप्त होना निश्चित रूप से गौरव का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि- मंत्र के द्रष्टा ज्ञानी होते हैं इसीलिए इन्हें ऋषि कहते हैं और मंत्र के जानने, मनन करने वाले मुनि कहलाते हैं।

'अकवान' का असर,हसदेव नदी तट पर भरा पानी, पुत्री मेला स्थगित

● अब मकर संक्राति पर पूरी भव्यता के साथ होगा आयोजन...



कोरबा। चक्रवाती अकवान तूफान का असर अब धार्मिक आयोजन पर भी पड़ा है। पुरानी बस्ती स्थित हसदेव नदी तट पर 24 नवंबर को होने वाला पुत्री मेला खराब मौसम और घाट में पानी भरने के कारण जनवरी माह तक के लिए टाल दिया गया है। अब यह मेला मकर संक्रांति के दिन आयोजित किया जाएगा। पुत्री मेला आयोजन समिति की आज पुरानी बस्ती में आवश्यक बैठक हुई। बैठक में हालात की समीक्षा के बाद सर्वसम्मति से मेला स्थगित करने का फैसला लिया गया। कवान तूफान के कारण दो दिनों तक हुई बारिश से हसदेव नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिसके चलते दर्री बराज का गेट खोला गया। बराज से पानी छोड़े जाने के बाद पुरानी बस्ती, दुरपा रोड और इंदिरा नगर क्षेत्र में हसदेव नदी तट पर पानी का भराव बढ़ गया।

पहला आयोजन, तैयारियों पर फिरा पानी

कोरबा में यह पहला अवसर था जब सर्व समाज कोरबा के तत्वावधान में भव्य पुत्री मेले का आयोजन होना था। लेकिन चक्रवाती तूफान ने तैयारियों पर पानी फेर दिया।

मकर संक्रांति पर भव्य आयोजन की तैयारी

आयोजन समिति के संयोजक निगम सभापति नूतनसिंह ठाकुर, पार्षद टामेश अग्रवाल, पार्षद ईश्वर पटेल, एल्डरमैन रविशंकर शुक्ला, पार्षद रवि सिंह चंदेल, पार्षद रूबि देवी सागर सहित समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि मकर संक्रांति के अवसर पर पूरी भव्यता और तैयारी के साथ पुत्री मेले का आयोजन किया जाएगा।

जनता से रूबरू हुए विधायक देवेंद यादव, भेंट-मुलाकात कर सुनी समस्याएं

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव अब अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता से रोज सुबह भेंट-मुलाकात करेंगे। इस पहल के जरिए वे आम लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, जरूरतें और मांगें सुनेंगे। हालांकि विधायक पहले भी नियमित रूप से लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के निराकरण की पहल करते रहे हैं, लेकिन अब रोज सुबह जनता के बीच उपलब्ध रहकर उनकी बात सुनने का सिलसिला जारी रखेंगे। विधायक निवास पर भेंट-मुलाकात के दौरान विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। किसी ने अपने समाज के लिए सामुदायिक भवन की मांग रखी, तो किसी ने राशन कार्ड बनवाने और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कही। इसके अलावा पेयजल, सड़क, नाली, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी लोगों ने विधायक के सामने रखीं।

धान खरीदी की कलेक्टर ने की समीक्षा,राइस मिलर्स और बिचौलियों पर कड़ी निगरानी के निर्देश

अब तक 2775 किसानों से 8479 मीट्रिक टन धान की खरीदी



बलौदाबाजार । कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सोमवार को खाद्य, सहकारिता, कृषि एवं मंडी बोर्ड के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में समर्थन मूल्य पर जारी धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राइस मिलर्स, कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा पुराने धान को अवैध रूप से खपाने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिले में अब तक 2,775 किसानों से कुल 8,479 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर ने बड़े किसानों के भी अधिक से अधिक टोकन जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने धान को उपार्जन केंद्रों में खपाने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए राइस मिलर्स और कोचियों की भी जांच कराने को कहा। साथ ही राइस मिलों में बिजली मीटर की खपत एवं उपलब्ध धान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मंडियों में भी धान की खरीदी पर विशेष निगरानी रखने तथा खरीदे गए धान का जल्द उठाव सुनिश्चित करने को कहा। मंडियों में धान बेचने वाले किसानों से भी नियमानुसार रकबा समर्पण कराने के निर्देश दिए। वहीं, पोहा मिलों में धान बेचने वाले किसानों से सौदा पत्रक प्राप्त कर बिक्री संबंधी जानकारी जुटाने को कहा। कलेक्टर ने मंडियों से अवैध रूप से धान खपाने की किसी भी कोशिश की तत्काल सूचना देने तथा उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान की उचित स्टेकिंग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि धान का सुरक्षित भंडारण हो सके और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित हो।उन्होंने अब तक जिन उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रारंभ नहीं हुई है, वहां इस सप्ताह तक खरीदी शुरू कराने के निर्देश दिए।



चक्रवाती तूफान 'अकवान' से प्रभावित धान की फसलों का मैदानी निरीक्षण, किसानों से ली जा रही की जानकारी

जांजगीर-चांपा। चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से जिले में धान की फसलों को हुए संभावित नुकसान के आकलन के लिए जिला प्रशासन द्वारा मैदानी स्तर पर निरीक्षण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रभावित किसानों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने तथा फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व), तहसीलदारों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर फसलों की स्थिति का जायजा लेने तथा किसानों से संवाद कर नुकसान की जानकारी लेने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार राजस्व एवं कृषि विभाग की टीमें खेतों में धान की फसलों का निरीक्षण कर रही हैं। इस दौरान फसलों की स्थिति, बारिश एवं तेज हवाओं से हुए संभावित नुकसान का जायजा लिया जा रहा है। साथ ही किसानों एवं ग्रामीणों से सीधे बातचीत कर प्रभावित फसलों एवं नुकसान की जानकारी जुटाई जा रही है। चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से जिले में 19 नवंबर को 7.4 मिलीमीटर तथा 20 नवंबर को 50 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। कलेक्टर द्वारा राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को फसल क्षति का सर्वेक्षण कर नुकसान पाए जाने पर पात्र किसानों को शीघ्र नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।



नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ में सम्मानपूर्वक मनाया गया मितानिन दिवस

डोंगरगढ़। नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के कार्यालय में मितानिन दिवस का आयोजन सम्मान, उत्साह एवं आत्मीयता के साथ किया गया। कार्यक्रम में मितानिन बहनों के सेवाभावी कार्यों, समर्पण तथा समाज में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे, अध्यक्षता नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा शहर मंडल डोंगरगढ़ के अध्यक्ष सौमित्र सोनी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि रमन डोंगरे ने अपने उद्बोधन में मितानिन बहनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मितानिन बहनें समाज के बीच रहकर जिस निष्ठा, जिम्मेदारी और सेवाभाव से अपने कार्यों का निर्वहन करती हैं, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। वे घर-घर तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने, लोगों को जागरूक करने और जरूरतमंद परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने में अहम योगदान देती हैं।

देव आह्वान एवं झांकी स्थापना के साथ प्रारंभ हुआ अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ

भगत चौक से देवी दाई मंदिर तक निकली भव्य कलश यात्रा



जांजगीर-चाम्पा। भगत चौक पुरानी बस्ती जांजगीर में अखण्ड राम नाम सप्ताह का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से कीर्तन मण्डली के साथ सडक़ पारा, बरमंबावा मंदिर, कहरा पारा होते हुए भगवती देवी दाई मंदिर भीमा तालाब पहुंची। यज्ञ के लिए लगभग 250 से अधिक महिलाओं, युवती व छोटे-छोटे बालिकाओं ने अपने सिर में कलश ऊठा भजन, कीर्तन के साथ-साथ चल रही थी। कलश यात्रा के सामने में भगत चौक कीर्तन मण्डली एवं जय माँ शारदा कीर्तन मंडली चकरदा द्वारा राम नाम की भजन गाया जा रहा था। वहीं पीछे-पीछे कलश यात्रा चल रही थी। कलश यात्रा भीमा तालाब के घाट पहुंचा जहां वरूण कलश का पूजा-अर्चना उपरांत कलश यात्रा संकीर्तन पुन: बरमबावा मंदिर, सडक़ पारा होते यज्ञ स्थल पहुंची। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय स्थित पुरानी बस्ती भगत चैक वार्ड क्र. 11 में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन लगातार 65 वर्ष से किया जा रहा है। प्रतिवर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी 100 साल से अधिक विशाल वट वृक्ष के नीचे चबूतरे में 65 वें वर्ष में राम नाम सप्ताह यज्ञ का शुभारंभ देव आवाहन, स्थापना पूजा एवं स्वास्ति वाचन के साथ देव मूर्तियों की झांकी स्थापना के साथ हुआ। वही भगत चौक के आचार्य उपाध्याय परिवार द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना करा राम नाम की जयकारा लगवाते हुए अखण्ड नाम सप्ताह यज्ञ का शुभारंभ कराया गया। तत्पश्चात पूरे भगत चौक मोहल्लावासियों द्वारा राम नाम का जाप प्रारंभ हुआ। राम नाम का जाप पूरे सात दिन और सात रात लगातार किया जावेगा। साथ ही जिले व अन्य जिलों के सैकड़ो गांवो के कीर्तन मण्डली भी राम नाम सप्ताह यज्ञ में भाग लेने पहुंचेगें। कलश यात्रा को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के संस्थापकगण, संरक्षकगण, अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्षगण, कोषाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, प्रचार-प्रसार अध्यक्ष, व्यवस्थापक, मंच संचालन प्रभारी, पुजारीगण सहित भगत चौक के मोहल्लेवासी जुटे हुए है।

युवाओं में दिख रहा भारी उत्साह

वर्षो से चली आ रही पम्परा को कायम रखने के लिए लगातार 64 वर्ष के भांति इस वर्ष भी 65 वें वर्ष में राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष बुजूर्गो से ज्यादा युवा वर्गो में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ को लेकर ज्यादा उत्साह देखा जा रहा है। युवा की टोली इस वर्ष आयोजन शुभारंभ के महिने भर पहले से ही तैयारी में जुटे हुए थे। वहीं कलश यात्रा के दौरान युवाओं पीले एवं भगवा कलर के कपड़े में नजर आये।

कीर्तन मंडली रही मुख्य आकर्षक

इस वर्ष कलश यात्रा में मुख्य आकर्षण के रूप में उड़ीसा राज्य से आये जय माँ कीर्तन मण्डली चकरदा द्वारा भव्य प्रस्तुति दिया जा रहा था, जो कलश के आगे-आगे अपने वाद्य यंत्रों के साथ नाच गान करते हुए चल रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी - सेवा सेतु पोर्टल से दिव्या कुमारी को कुछ ही दिनों में मिला जाति प्रमाण पत्र

बिलासपुर। बिल्हा विकासखंड के ग्राम मोहदा की निवासी दिव्या कुमारी को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन के कुछ ही दिनों में जाति प्रमाण पत्र मिल गया। उन्होंने बिल्हा तहसील स्थित सेवा सेतु केंद्र से ऑनलाइन आवेदन किया था। दिव्या ने बताया कि आवेदन से लेकर प्रमाण पत्र मिलने तक पूरी प्रक्रिया सरल रही और उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। दिव्या ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि ऑनलाइन सुविधा से उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालय नहीं जाना पड़ा। इससे उनके समय और श्रम की बचत हुई। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए विशेष रूप से मददगार है, क्योंकि सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से जरूरी प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन करना आसान हो गया है। आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिए शुरू किए गए सेवा सेतु पोर्टल पर विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है। दिव्या कुमारी ने इस पहल की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।



विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित



बिलासपुर। ग्राम पंचायतों की स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) तैयार करने के लिए आज जिला पंचायत बिलासपुर के सभागृह में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तर की क्रियान्वयन एजेंसियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को ग्राम पंचायतों की दीर्घकालीन विकास योजना तैयार करने और उसके समयबद्ध क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त सहायक परियोजना अधिकारी (वीबी-जी राम जी) अनुराधा शुक्ला ने विकसित ग्राम पंचायत प्लान की अवधारणा और ग्राम पंचायत स्तर पर योजना तैयार करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने स्थानीय जरूरतों के आधार पर विकास कार्यों के चयन, योजना के तकनीकी पहलुओं और चयनित कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायतों के लिए गुणवत्तापूर्ण विकास योजनाएं तैयार करना और उनमें शामिल कार्यों का पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षण में क्रियान्वयन एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारी, जनपद स्तर से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एसडीओ एवं एसई, जिला पंचायत की वीबी-जी राम जी शाखा के कर्मचारी, तकनीकी सहायक और अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूट्यूब पर ज्यादा ब्याज का विज्ञापन दिखाकर 26.92 लाख की ठगी, ओडिशा जेल से आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। यूट्यूब पर आकर्षक विज्ञापन दिखाकर निवेश पर अधिक ब्याज देने का लालच और फिर लाखों रुपये की ठगी। निवेश के नाम पर लोगों को जाल में फंसाने वाले इस कथित फर्जीवाड़े में सूरजपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को ओडिशा के कटक स्थित जेल से प्रोडक्शन वारंट पर सूरजपुर लाया गया है। मामले में 26 लाख 92 हजार रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान तुषार भांजों के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने यूट्यूब पर आकर्षक विज्ञापन के माध्यम से लोगों को निवेश पर अधिक ब्याज मिलने का भरोसा दिलाया। इसके बाद निवेश के नाम पर लोगों से रकम जमा कराकर ठगी की गई। इस पूरे मामले में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता बनाने के लिए खुद को ट्रांसविजन ड्रीम मल्टीट्रेड लिमिटेड और हरित कृषि निधि लिमिटेड का संचालक (सीएमडी) बताता था। इन कंपनियों के नाम का इस्तेमाल कर उसने अधिक मुनाफे और ब्याज का लालच दिया और कई लोगों को अपने झांसे में लिया।

प्रशिक्षित युवतियों को मिले प्रमाणपत्र और जॉब ऑफर लेटर

कौशल से बढ़ेगा आत्मविश्वास,रोजगार और स्वरोजगार से बनें आत्मनिर्भर-पिंगुआ

बिलासपुर। अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। यही आत्मविश्वास आत्मनिर्भर बनने का आधार है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवतियां नौकरी के साथ अपने गांव में सिलाई दुकान और बुटीक संचालित कर स्वरोजगार की राह भी चुन सकती हैं। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार स्थापित करने की इच्छुक प्रशिक्षार्थियों को शासन की योजनाओं से जोड़कर ऋण उपलब्ध कराने में मदद की जाएगी। श्री पिंगुआ आज शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आजीविका कॉलेज निपनिया में संचालित कौशल प्रशिक्षण केन्द्र के प्रमाणपत्र एवं जॉब ऑफर लेटर वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप कुमार अग्रवाल उपस्थित थे। श्री पिंगुआ ने महिला प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के बाद उनके आत्मविश्वास में आया बदलाव सुखद है। आज सिलाई और बुटीक जैसे स्वरोजगार की काफी संभावनाएं हैं। वे अपने हुनर का उपयोग कर आर्थिक रूप से सशक्त



बनें और अपने आचरण एवं कार्य से आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बड़े अवसरों का लाभ लेने के लिए कई बार घर से बाहर निकलना पड़ता है। आगे बढ़ने का संकल्प मजबूत हो तो छोटी-मोटी कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम में अभिभावकों की सहभागिता की सराहना करते हुए प्रशिक्षार्थियों, जिला प्रशासन और कंपनी के प्रतिनिधियों को इस पहल के लिए बधाई दी। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता तभी है, जब सीखे हुए कौशल से आजीविका का रास्ता खुले। युवतियां अपनी रुचि और परिस्थितियों के अनुसार रोजगार अथवा स्वरोजगार का विकल्प चुनें। जिला प्रशासन उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ने और स्वरोजगार स्थापित करने में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग देगा। उन्होंने अभिभावकों से भी बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने और उनका संबल बनने का आग्रह किया।कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली युवतियों को प्रमाणपत्र तथा चयनित अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए। आजीविका कॉलेज निपनिया में शाही एक्सपोर्ट्स द्वारा संचालित केन्द्र के पहले बैच में 35 युवतियों को सिलाई मशीन ऑपरेटर का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। केन्द्र में दूसरे बैच का प्रशिक्षण जारी है। प्रमाणपत्र और रोजगार के प्रस्ताव मिलने से प्रशिक्षार्थियों में उत्साह दिखाई दिया।इसके पूर्व श्री पिंगुआ ने प्रशिक्षण केन्द्र की प्रैक्टिकल लैब और थ्योरी कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की प्रक्रिया, उपलब्ध मशीनों एवं संसाधनों, सुविधाओं और रोजगार की संभावनाओं की जानकारी ली। युवतियों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कार्यों और अपने अनुभवों से अतिथियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान बेंगलुरु में कार्यरत पूर्व प्रशिक्षणार्थी सुशीला कुमारी निषाद से ऑनलाइन संवाद भी किया गया। रायपुर केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वे पिछले आठ माह से वहां कार्य कर रही हैं। श्री पिंगुआ और कलेक्टर ने उनसे कार्यस्थल के वातावरण, रहने-खाने की व्यवस्था तथा अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

घर बैठे मिला ऑनलाइन टोकन..... किसानों के लिए धान बेचनाआसान

बिलासपुर। पूरे जिले के धान खरीदी केंद्रों सहित छतौना के धान उपार्जन केंद्र में भी किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, तिरपाल और बारदाने सहित खरीदी से जुड़ी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। घर बैठे ऑनलाइन टोकन मिलने से किसान निर्धारित समय पर अपनी उपज लेकर केंद्र पहुंच रहे हैं। धान बेचने आए किसानों ने केंद्र की व्यवस्थाओं और ऑनलाइन टोकन की सुविधा की सराहना की। ग्राम छतौना के किसान श्री दिनेश कुमार कौशिक 83 कट्टी धान लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि केंद्र में धान को ढकने के लिए तिरपाल, पर्याप्त बारदाने और किसानों के लिए पेयजल सहित अन्य जरूरी व्यवस्था की गई है। खरीदी व्यवस्थित ढंग से होने से किसानों को अपनी उपज बेचने में सहूलियत मिल रही है। श्री कौशिक



ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीदी से किसानों को अपनी मेहनत और उपज का उचित दाम मिल रहा है। उन्होंने खरीदी की व्यवस्थाओं और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी गांव के किसान श्री विकास कुमार वर्मा ने बताया कि उन्होंने घर बैठे ऑनलाइन टोकन लिया और निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर 54 क्विंटल धान बेचा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन मिलने से धान बेचने की प्रक्रिया आसान हुई है। केंद्र में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई और समिति प्रबंधक सहित कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। श्री कौशिक और श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की उस घोषणा का भी स्वागत किया, जिसके अनुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी 13,839 रुपये प्रति एकड़ की पूरी आदान सहायता मिलेगी।

बिना टिकट यात्रा के विरुद्ध चला नाका टिकट चेकिंग अभियान.....

- 615 मामलों में 5.24 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा टिकटधारी यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने, यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 22 नवम्बर 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल के बिलासपुर-चांपा-रायगढ़-ब्रजराजनगर तथा बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में सघन



नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य टिकट निरीक्षक, उप-मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफ शामिल थे। इस अभियान के दौरान इस सेक्शनों में 25 ट्रेनों की सघन जांच कर 615 मामलों से कुल 5,24,445 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 443 मामलों से 04 लाख 07 हजार 810 रुपये, अनियमित टिकट के 149 मामलों से 01 लाख 14 हजार 235 रुपये तथा बिना बुक लगेज के 23 मामलों से 02 हजार 400 रुपये का जुर्माना शामिल है रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान जैसी गतिविधियों से बचें।

कोल इंडिया के 52वें स्थापना दिवस पर सोशल मीडिया प्रेजेंस में एसईसीएल को प्रथम पुरस्कार

- एसईसीएल की जनसंपर्क टीम ने निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास को भेंट की ट्रॉफी, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टीम को दी बधाई

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) को कोल इंडिया के 52वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'सोशल मीडिया प्रेजेंस' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर आज दिनांक 20 नवंबर 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास से जनसम्पर्क विभाग की पूरी टीम ने भेंट कर उन्हें पुरस्कार की ट्रॉफी प्रस्तुत की। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने जनसंपर्क विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके प्रयासों एवं योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनसंपर्क एवं डिजिटल संचार के माध्यम से कंपनी की उपलब्धियों,



गतिविधियों और जनकल्याणकारी पहलों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने टीम को भविष्य में भी इसी समर्पण एवं नवाचार के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि कोलकाता में आयोजित कोल इंडिया के 52वें स्थापना दिवस समारोह में एसईसीएल को विभिन्न श्रेणियों में कुल सात पुरस्कार प्राप्त हुए थे, जिनमें तीन कॉर्पोरेट एवं चार व्यक्तिगत पुरस्कार शामिल हैं। कॉर्पोरेट श्रेणी में एसईसीएल को 'सोशल मीडिया प्रेजेंस' में प्रथम तथा 'पर्यावरण प्रबंधन' एवं 'भूमि अधिग्रहण एवं पुनर्वास' में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए। सोशल मीडिया प्रेजेंस में प्रथम पुरस्कार एसईसीएल के जनसंपर्क विभाग द्वारा डिजिटल माध्यमों से कंपनी की उपलब्धियों, खनन गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण, सीएसआर पहलों एवं कर्मचारी कल्याण से जुड़ी जानकारियों को प्रभावी और रचनात्मक ढंग से जन-जन तक पहुँचाने के निरंतर प्रयासों को मिला सम्मान है।

धान खरीदी में पारदर्शिता सर्वोपरि, किसानों की सुविधा का रखें पूरा ध्यान : श्री पिंगुआ



- प्रभारी सचिव ने खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण, बारिश के कारण धान नहीं बेच पाए किसानों को सुविधाजनक तिथि का टोकन देने के निर्देश

बिलासपुर। अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज बिरकोना, सेंदरी, सेमरताल, रानीगांव और सैदा धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि किसानों से धान खरीदी पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल भी साथ थे। श्री पिंगुआ ने चेकलिस्ट के अनुरूप केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने निगरानी समिति के सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबर केन्द्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित करने तथा नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने समक्ष इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन की जांच भी कराई।पिछले दो-तीन दिनों में हुई बारिश के कारण केन्द्रों में किसानों की आवक कम रही। खरीदी परिसर के फड़ गीले होने से भी किसान धान बेचने इक्के - दुक्के पहुंच रहे हैं। प्रभारी सचिव ने निर्देश दिए कि बारिश के दिनों में टोकन लेने के बावजूद धान नहीं बेच पाए किसानों को उनकी सुविधा के अनुसार आगामी तिथि का टोकन जारी किया जाए। उन्होंने केन्द्रों में मौजूद किसानों से चर्चा कर आकस्मिक बारिश से फसलों पर पड़े असर की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि तैयार फसल वाले खेतों में पानी भरने से हार्वेस्टर के जरिए कटाई में कठिनाई होगी। प्रभारी सचिव ने खरीदी के बाद केन्द्रों में सुरक्षित रखे धान का भी निरीक्षण किया। तिरपाल से ढके होने के कारण धान को बारिश से कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने धान की सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। श्री पिंगुआ ने समिति स्तर पर किसानों के रिकॉर्ड सुधार कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। बताया गया कि रानीगांव में लगभग 400 किसानों के रिकॉर्ड में त्रुटियां थीं। इनमें से करीब 250 किसानों के रिकॉर्ड पिछले दो-तीन दिनों में सुधार लिए गए हैं।

राष्ट्रीय मुख्यालय, के तत्वावधान में राष्ट्रपति स्काउट, गाइड रोवर एवं रेंजर प्रमाण-पत्र जांच शिविर-2026 का आयोजन

बिलासपुर। स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राज्य मुख्यालय, बिलासपुर द्वारा राष्ट्रपति स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर प्रमाण-पत्र जांच परीक्षा2026 हेतु पांच दिवसीय राज्य स्तरीय परीक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 19 से 23 नवंबर 2026 तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी), खोडरी में किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ दिनांक 19 नवंबर 2026 को गरिमामय वातावरण में हुआ। शुभारंभ समारोह में आदरणीय श्री पीयूष गुप्ता, अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर एवं राज्य मुख्य आयुक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा श्री यू. शिव शंकर राव, राज्य सचिव एवं मंडल कार्मिक अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें पूर्ण उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ परीक्षण में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। साथ ही प्रतिभागियों को उनके कार्ड नंबर एवं टेस्ट कार्ड प्रदान किए गए। इस राज्य स्तरीय परीक्षण शिविर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश राज्य के कुल 104 प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। इनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से 70, छत्तीसगढ़ से 28 तथा मध्य प्रदेश से 06 प्रतिभागी शामिल हैं। प्रतिभागियों में 13 स्काउट्स, 39 गाइड्स, 30 रोवर्स एवं 22 रेंजर्स हैं। इस प्रकार तीनों राज्य संगठनों की सहभागिता से शिविर को अंतरराज्यीय स्वरूप प्राप्त हुआ है। शिविर में राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा नामित ऑब्जर्वर तथा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुल 08 अधिकृत परीक्षकों द्वारा



निर्धारित पाठ्यक्रम एवं परीक्षण मानदंडों के अनुरूप प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षण के अंतर्गत प्रतिभागियों के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक दक्षता, अनुशासन, सेवा भावना तथा स्काउटिंग एवं गाइडिंग से संबंधित आवश्यक कौशलों का आकलन किया जा रहा है। परीक्षण शिविर में सफल घोषित प्रतिभागियों को आगामी चरण में राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) में सम्मिलित होना होगा। इस परीक्षा के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर चयनित शीर्ष 120 सफल उम्मीदवारों को महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा राष्ट्रपति स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। शिविर के द्वितीय दिवस पर श्रीमती शिवरंजनी पोपली वर्मा, राज्य आयुक्त (गाइड) एवं उप मुख्य संरक्षा अधिकारी (संकेत एवं दूरसंचार), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षण की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा प्रतिभागियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उक्त राज्य स्तरीय शिविर का आयोजन श्री पीयूष गुप्ता, राज्य मुख्य आयुक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजन के समुचित संचालन एवं व्यवस्थाओं में श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का मार्गदर्शन एवं सहयोग विशेष रूप से सराहनीय है।



कवि और समाज सुधारक थे श्री गुरु नानकदेव

देशभर में सिखों के पहले गुरु नानकदेव जी की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवा भाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरू गुरुनानक देव जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पांच प्यारें नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं।

भारत की पावन भूमि पर कई संत-महात्मा अवतरित हुए हैं, जिन्होंने धर्म से विमुख सामान्य मनुष्य में अध्यात्म की चेतना जागृत कर उसका नाता ईश्वरीय मार्ग से जोड़ा है। ऐसे ही एक अलौकिक अवतार गुरु नानकदेव जी हैं। कहा जाता है कि गुरु नानकदेवजी का आगमन ऐसे युग में हुआ जो इस देश के इतिहास के सबसे अंधेरे युगों में था। उनका जन्म 1469 में लाहौर से 30 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में तलवंडी रायभोय नामक स्थान पर हुआ जो अब पाकिस्तान में है। बाद में गुरुजी के सम्मान में इस स्थान का नाम ननकाना साहिब रखा गया। श्री गुरु नानकदेव संत, कवि और समाज सुधारक थे। धर्म काफी समय से थोथी रस्मों और रीति-रिवाजों का नाम बनकर रह गया था। उत्तरी भारत के लिए यह कुशासन और अफरा-तफरी का समय था। सामाजिक जीवन में भारी भ्रष्टाचार था और धार्मिक क्षेत्र में द्वेष और कशमकश का दौर था। न केवल हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच में ही, बल्कि दोनों बड़े धर्मों के भिन्न-भिन्न संप्रदायों के बीच भी।

इन कारणों से भिन्न-भिन्न संप्रदायों में और भी कट्टरता और बैर-विरोध की भावना पैदा हो चुकी थी। उस वक्त समाज की हालत बहुत बदतर थी। ब्राह्मणवाद ने अपना एकाधिकार बना रखा था। उसका परिणाम यह था कि गैर-ब्राह्मण को वेद शास्त्राध्यापन से हतोत्साहित किया जाता था। निम्न जाति के लोगों को इन्हें पढ़ना बिलकुल वर्जित था। इस ऊँच-नीच का गुरु नानकदेव पर बहुत असर पड़ा। वे कहते हैं कि ईश्वर की निगाह में सब समान हैं। ऊंच-नीच का विरोध करते हुए गुरु नानकदेव अपनी मुखवाणी 'जपुजी साहिब' में कहते हैं कि 'नानक उत्तम-नीच न कोई' जिसका भावार्थ है कि ईश्वर की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं फिर भी अगर कोई व्यक्ति अपने आपको उस प्रभु की निगाह में छोटा समझे तो ईश्वर उस व्यक्ति के हर समय साथ है। यह तभी हो सकता है जब व्यक्ति ईश्वर के नाम द्वारा अपना अहंकार दूर कर लेता है। तब व्यक्ति ईश्वर की निगाह में सबसे बड़ा है और उसके समान कोई नहीं।

नानक देव की वाणी में - **नीचा अंदर नीच जात, नीची हूं अति नीच। नानक तिन के संगी साथ, वडियां सिऊ कियां रीस?**

समाज में समानता का नारा देने के लिए उन्होंने कहा कि ईश्वर हमारा पिता है और हम सब उसके बच्चे हैं और पिता की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं होता। वही हमें पैदा करता है और हमारे पेट भरने के लिए खाना भेजता है।

नानक जंत उपाइके, संभालै सभनाह।
जिन करते करना कीआ, चिंताभिकरणी ताहर?

जब हम 'एक पिता एकस के हम वारिक' बन जाते हैं तो पिता की निगाह में जात-पात का सवाल ही नहीं पैदा होता।

गुरु नानक जात-पात का विरोध करते हैं। उन्होंने समाज को बताया कि मानव जाति तो एक ही है फिर यह जाति के कारण ऊंच-नीच क्यों? गुरु नानक देव ने कहा कि मनुष्य की जाति न पूछो, जब व्यक्ति ईश्वर की दरगाह में जाएगा तो वहां जाति नहीं पूछी जाएगी। सिर्फ आपके कर्म ही देखे जाएंगे। गुरु नानक देव ने पित्तर-पूजा, तंत्र-मंत्र और छुआ-छूत की भी आलोचना की। इस प्रकार हम देखते हैं कि गुरु नानक साहिब हिंदू और मुसलमानों में एक सेतु के समान हैं। हिंदू उन्हें गुरु एवं मुसलमान पीर के रूप में मानते हैं। उन्होंने हमेशा ऊंच-नीच और जाति-पाति का विरोध करने वाले नानक ने सबको समान समझकर 'गुरु का लंगर' शुरू किया, जो एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करने की प्रथा है।

प्रमुख गुरुद्वारा साहिब

गुरुद्वारा कंध साहिब - बटाला (गुरुदासपुर) गुरु नानक का यहाँ बीबी सुलक्षणा से 18 वर्ष की आयु में संवत 1544 की 24वीं जेठ को विवाह हुआ था। यहाँ गुरु नानक की विवाह वर्षगाँठ पर प्रतिवर्ष उत्सव का आयोजन होता है।

गुरुद्वारा हाट साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) गुरुनानक ने बहनोई जैराम के माध्यम से सुल्तानपुर के नवाब के यहाँ शाही भंडार के देखरेख की नौकरी प्रारंभ की। वे यहाँ पर मोदी बना दिए गए। नवाब युवा नानक से काफी प्रभावित थे। यहीं से नानक को तेरा शब्द के माध्यम से अपनी मंजिल का आभास हुआ था।

गुरुद्वारा गुरु का बाग- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) यह गुरु नानकदेवजी का घर था, जहाँ उनके दो बेटों बाबा श्रीचंद और बाबा लक्ष्मीदास का जन्म हुआ था।

गुरुद्वारा कोठी साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) नवाब दौलतखान लोधी ने हिसाब-किताब में गड़बड़ी की आशंका में नानकदेवजी को जेल भिजवा दिया। लेकिन जब नवाब को अपनी गलती का पता चला तो उन्होंने नानकदेवजी को छोड़ कर माफी ही नहीं माँगी, बल्कि प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन गुरु नानक ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

गुरुद्वारा बेर साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) जब एक बार गुरु नानक अपने सखा मर्दाना के साथ वैन नदी के किनारे बैठे थे तो अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए, जहाँ पर कि उन्होंने ईश्वर से साक्षात्कार किया। सभी लोग उन्हें डूबा हुआ समझ रहे थे, लेकिन वे वापस लौटे तो उन्होंने कहा- एक ओंकार सतिनाम। गुरु नानक ने वहाँ एक बेर का बीज बोया, जो आज बहुत बड़ा वृक्ष बन चुका है।

गुरुद्वारा अचल साहिब- गुरुदासपुर अपनी यात्राओं के दौरान नानकदेव यहाँ रुके और नाथपंथी योगियों के प्रमुख योगी भांगर नाथ के साथ उनका धार्मिक वाद-विवाद यहाँ पर हुआ। योगी सभी प्रकार से परास्त होने पर जादुई प्रदर्शन करने लगे। नानकदेवजी ने उन्हें ईश्वर तक प्रेम के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, ऐसा बताया।

गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक- गुरुदासपुर जीवनभर धार्मिक यात्राओं के माध्यम से बहुत से लोगों को सिख धर्म का अनुयायी बनाने के बाद नानकदेवजी रावी नदी के तट पर स्थित अपने फार्म पर अपना डेरा जमाया और 70 वर्ष की साधना के पश्चात 1539 ई. में परम ज्योति में विलीन हुए।



कैसे मनाएं गुरुनानक देव का प्रकाशोत्सव

गुरु नानक का प्रकाशोत्सव, पर्व यूं तो पवित्र भावनाओं के साथ मनाया जाने वाला उत्सव है। प्रकाशोत्सव के दिन किस तरह से परंपराओं का निर्वाह किया जाए, कैसे इस उत्सव को मनाया जाए। आइए जानते हैं.

प्रभात बेला में क्या करें

- गुरु नानकदेवजी के प्रकाशोत्सव पर सर्वप्रथम प्रात:काल स्नानादि करके पांच वाणी का 'नित नेम' करें।
- स्वच्छ वस्त्र पहनकर गुरुद्वारा साहिब जाएं और मत्था टेकें।
- गुरु स्वरूप सात संगत के दर्शन करें।
- गुरुवाणी, कीर्तन सुनें।
- गुरुओं के इतिहास का श्रवण करें।
- सच्चे दिल से अरदास सुनें।
- संगत व गुरुघर की सेवा करें।
- गुरु के लंगर में जाकर सेवा करें।
- अपनी सच्ची कमाई में से 10वां हिस्सा धार्मिक कार्य व गरीबों की सेवा के लिए दें।

तीन बातों का पालन अवश्य करें

गुरु नानक ने सच्चे सिख के लिए यानी अपने शिष्यों से तीन मुख्य बातों का पालन करने के लिए कहा है।

- ईश्वर का नाम जपें
- सच्ची कीरत (कमाई) करें।
- गरीब मार नही करें। (दान करें)

रात्रि में क्या करें

गुरु नानकदेवजी का जन्म रात्रि लगभग 1 बजकर 40 मिनट पर हुआ था। अत: इसके लिए रात्रि जागरण किया जाता है। इसके लिए निम्न कार्य करें

- रात को पुन: दीवान सजता है अत: वहां कीर्तन, सत्संग आदि करें।
- जन्म के बाद सामूहिक अरदास में शामिल हों।
- कड़ा-प्रसाद लें व एक-दूसरे को बधाई दें।
- गुरु महाराज के प्रकाश (जन्म) के समय फूलों की बरखा एवं आतिशबाजी करें।

दस सिद्धांत

गुरूनानक देव जी ने अपने अनुयायियों को जीवन के दस सिद्धांत दिए थे। यह सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है।

- ईश्वर एक है।
- सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
- जगत का कर्ता सब जगह और सब प्राणी मात्र में मौजूद है।
- सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नही रहता।
- ईमानदारी से मेहनत करके उदरपूर्ति करना चाहिए।
- बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएँ।
- सदा प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने को क्षमाशीलता माँगना चाहिए।
- मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
- सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
- भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए जरूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।



कार्तिक पूर्णिमा पृथ्वी के इस भाग में उतरेगा देवलोक

कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मनाए जाने का विधान है। भगवान शंकर ने देवताओं की प्रार्थना पर महाबलशाली दैत्य त्रिपुरासुर का वध किया था। उसी के उल्लास में यह पर्व देव दीपावली के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि देव दीपावली पर देवता नदी तटों पर आते हैं। इस तिथि से पहले कार्तिक के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानि देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु नींद से जागते हैं। ये भी माना जाता है कि दीपावली पर महालक्ष्मी अपने स्वामी भगवान विष्णु से पहले जाग जाती हैं, इसलिए दीपावली के 15 दिन बाद देवताओं की दीपावली मनाई जाती है। इसे ही आगे चलकर देव दीपावली ने नाम से जाना गया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में इस उत्सव की बहुत धूम रहती है। कहते हैं पृथ्वी के इस भाग में सारा देवलोक उतर आता है। यह त्यौहार काशी की संस्कृति एवं परम्परा का अहम हिस्सा है। वाराणसी में धूमधाम से देव दीपावली मनाई जाती है। इस मौके पर पूरी काशी नगरी को दीयों की जगमगाहट से रोशन कर दिया जाता है। काशी के सभी घाटों को दुल्हन की तरह सजाया भी जाता है। 84 घाटों पर दीयों की लडियां देखकर ऐसा लगता है मानो तारे आसमान छोड़कर धरती पर उतर आए हों। भव्य गंगा आरती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग वाराणसी आते हैं। दशाश्वमेध घाट पर देव दीपावली के दिन पर्यटकों का जमावड़ा लगता है। घाटों पर मंत्रोच्चार होता है। हर घाट की फूलों और इलेक्ट्रॉनिक लाइटों से आकर्षक सजावट की जाती है। शंखनाद के बाद महाआरती शुरू होती है।

कार्तिक पूर्णिमा

स्नान से लेकर रात तक करें ये काम लक्ष्मी प्रसन्न होकर बरसाएंगी धन

कार्तिक पूर्णिमा का शास्त्रों में बहुत महत्व माना गया है। जो व्यक्ति इस दिन विधिपूर्वक पूजन करता है, उसके जीवन से सभी संतापों का अंत हो जाता है। जन्मकुंडली में जैसे भी दोष हों, उन्हें दूर करने के लिए ये दिन बहुत शुभ है। इस शुभ योग में शनि से संबंधित उपाय भी किए जा सकते हैं। इस दिन हरिद्वार में हरि की पौड़ी (हर की पौड़ी) और बनारस में गंगा घाट पर जाकर स्नान करने की महिमा है तथा गंगा माता का धूप, दीप, पुष्प, चन्दन, नेवैद्य आदि से पूजन करने का विधान है। जो लोग हरिद्वार नहीं जा सकते वह गंगा के किसी भी तटवर्ती क्षेत्र अथवा अपने घर में भी गंगा जल युक्त पानी में स्नान करके मंदिर में मां गंगा जी की प्रतिमा का विधिवत पूजन करके भी पुण्य लाभ पा सकते हैं। शास्त्रानुसार जो लोग घर में ही गंगा स्नान करना चाहते हैं वह पहले बाल्टी में गंगा जल डाले तथा बाद में उस बाल्टी को जल से भर कर स्नान करे तो वह सारा जल गंगा जल के समान होगा। अर्थात गंगा में जो भी वस्तु गिरती है वह गंगा के समान ही पवित्र मानी जाती है। इस विधि से स्नान करने वाले को धन-धान्य, मान-प्रतिष्ठा आदि सभी सुख मिलेंगे।

पूजन के साथ ही ओम नम: शिवाय और नारायण्यै दशहरायै गंगाये नम: मंत्र का जाप करें तथा हवन यज्ञ करके आहूतियां डाले, धरती पर गंगा को लाने वाले भागीरथ और जहां से वह आई हैं उस हिमालय के नाम का स्मरण करते हुए उनका भी विधिवत पूजन करें। श्रीसूक्त और लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करके हवन करें, लक्ष्मी प्रसन्न होकर बरसाएंगी धन। शनि दोष से मुक्ति के लिए काले रंग की वस्तुओं का दान शाम 5 बजे के बाद निर्धन व्यक्ति को करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी पर दीपदान करें और चार परिक्रमा करें। नमक न खाएं। रात को चंद्रमा को अर्घ्य दें।



जब गुरुनानक ने दिया विचित्र आशीर्वाद

गुरु नानक एक बार एक गांव में गए। उस गांव के लोग नास्तिक विचारधारा के थे। वे भगवान, उपदेश और पूजा-पाठ में बिल्कुल भी विश्वास नहीं रखते थे। वे साधुओं को ढोंगी की संज्ञा देते। उन्होंने नानक के प्रति कटु वचन कहे और उनका तिरस्कार भी किया, तथापि नानक देव शांत ही रहे। दूसरे दिन जब वे वहां से रवाना होने लगे तो लोग उनके पास आए और उन्होंने कहा, 'जाने से पहले आशीर्वाद तो देते जाएं।'

नानकदेव मुस्करा दिए और बोले, 'आबाद रहो।'

वे जब समीपस्थ ग्राम में पहुंचे, तो वहां के लोगों ने उनका उचित सत्कार किया तथा रहने-खाने का भी उचित प्रबंध किया।

नानकजी ने उनके समक्ष प्रवचन किया। प्रवचन समाप्ति के उपरांत श्रद्धालु लोगों ने उनसे आशीर्वाद देने का आग्रह किया, तो नानकदेव बोले, 'उजड़ जाओ।' शिष्यों ने ये विचित्र आशीर्वाद सुने तो उनकी कुछ समझ में न आया। उनमें से एक से न रहा गया और वह पूछ ही बैठा, 'देव, आपने तो बड़े ही विचित्र आशीर्वाद दिए हैं। आदर करने वालों को तो उजड़ जाने का आशीर्वाद दिया है, जबकि तिरस्कार करने वालों को आबाद रहने का। मेरी समझ में तो कुछ भी नहीं आया। कृपया स्पष्ट करें।' तब नानकदेव हंसते हुए बोले, 'सज्जन लोग उजड़ेंगे तो वे जहां भी जाएंगे, अपनी सज्जनता के कारण उत्तम वातावरण बना लेंगे, किंतु दुर्जन यदि अपना स्थान छोड़ें तो वे जहां जाएंगे, वहीं का वातावरण दूषित बनाएंगे, इसलिए उन्हें आबाद रहने का आशीर्वाद दिया।' नानक देव के वचन सुनकर शिष्य ने उनका चरण स्पर्श किया और कहा, 'गुरु देव आप जो भी करते और सोचते हैं उनसे पीछे ज्ञान छिपा होता है जिसे हम तुच्छ प्राणी समझ नहीं सकते हैं।

नशे से प्रभावित व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित करना हमारा मुख्य उद्देश्य : राजेश खलखो न्यायाधीश

नशा मुक्त भारत के निर्माण के उद्देश्य से नालसा डॉन योजना 2025 के तहत् जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



जांजगीर चांपा । माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं सहअध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर के निर्देशानुसार संत कबीर व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान जैजैपुर में नालसा डॉन योजना, 2025 के तहत् विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया जिसमें राजेश खलखो न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति जैजैपुर द्वारा उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशामुक्त भारत के निर्माण के उद्देश्य से नालसा डॉन योजना, 2025 के मुख्य उद्देश्य को बताते हुए कहा गया कि नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम तथा नशे से प्रभावित व्यक्तियों को कानूनी, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास संबंधी सहायता उपलब्ध कराना है साथ योजना के प्रमुख उद्देश्य एवं लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में जन-जागरूकता फैलाना, नशे से प्रभावित व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना, नशा मुक्ति केंद्रों एवं पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना, पीड़ित व्यक्तियों एवं उनके परिवारों को परामर्श एवं सहायता देना, नशीले पदार्थों की तस्करी एवं दुरुपयोग की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना, नशे से प्रभावित व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित करने में सहायता करना है। सेतराम कुर्रे अध्यक्ष अधिवक्ता संघ जैजैपुर द्वारा बताया गया कि योजना का मुख्य उद्देश्यः नशे से मुक्त समाज का निर्माण करना तथा नशे से प्रभावित व्यक्तियों को कानूनी सहायता, उपचार, पुनर्वास और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है लोगों को नशे से दूर रहकर अच्छा नागरिक बनने को कहा गया। मदनलाल खांडे वरिष्ठ अधिवक्ता जैजैपुर द्वारा बताया गया कि नशा व्यक्ति, परिवार एवं समाज के विकास में गंभीर बधा है, नशे की लत के कारण व्यक्ति का शारीरिक मानसिक एवं आर्थिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है, साथ ही परिवार में अशांति तथा सामाजिक अपराधों में वृद्धि होती है । लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल अधिकार मित्र द्वारा नशे उन्मूलन के संबंध में अधिक जानकारी एवं निःशुल्क विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा तालुका विधिक सेवा समिति से संपर्क करने को कहा गया, साथ ही लोगों को विधिक सेवा अधिनियम के उद्देश्य, नि शुल्क विधिक सहायता की पात्रता, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 व अन्य महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी दिया गया। इस कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार साहू संचालक संत कबीर व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान जैजैपुर, समस्त स्टाफएवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

गृहविज्ञान एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में क्रिएटिव कॉर्नर का सफल आयोजन



दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में आज गृहविज्ञान एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में क्रिएटिव कॉर्नर का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में विषय से संबंधित सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा कौशल विकास को बढ़ावा देना था। गृहविज्ञान विभाग की प्रस्तुतियां- गृहविज्ञान की छात्राओं ने विषय की प्रमुख शाखाओं आहार एवं पोषण विज्ञान, वस्त्र एवं तंतु विज्ञान, मानव विकास तथा संसाधन प्रबंधन से संबंधित अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया। छात्राओं द्वारा फैशन डिजाइन के वस्त्र, सजावटी सामग्री, बोन्साई पौधे, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन तथा किशोरावस्था एवं प्रौढ़ावस्था के विकासात्मक कार्यों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। छात्राओं ने रागी की पापड़ी चाट, अंकुरित अनाज की चाट तथा ड्रैगन फ्रूट से बनी पानी पूरी तैयार की, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है। सभी ने इन व्यंजनों का स्वाद लिया और छात्राओं की प्रशंसा की।

मनोविज्ञान विभाग की प्रस्तुतियां- मनोविज्ञान की छात्राओं द्वारा मानसिक स्वास्थ्य, तंत्रिका तंत्र तथा मन की विभिन्न दशाओं को मॉडल एवं पोस्टर के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। साथ ही एकाग्रता परीक्षण हेतु छात्राओं द्वारा विभिन्न खेल आयोजित किए गए, जिसका सभी ने आनंद लिया।छात्राओं ने विभिन्न राज्यों के परिधानों का प्रदर्शन फैशन शो के माध्यम से कर सामाजिक समरसता का परिचय दिया।प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष का मार्गदर्शनमहाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने क्रिएटिव कॉर्नर का निरीक्षण किया तथा छात्राओं को प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में कौशल विकास के माध्यम से जीवन स्तर को बेहतर बनाने में गृहविज्ञान विषय की महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव एवं देव दीपावली पर बैकुंठ धाम में प्रज्वलित होंगे एक लाख दीप





भिलाई। कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव एवं देव दीपावली के पावन अवसर पर भारत सेवा संघ, भिलाई द्वारा 24 नवंबर 2026 को कैंप-2 स्थित बैकुंठ धाम सरोवर में भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर परम पूज्य चिन्मयानंद बापू जी एवं परम पूज्य महात्यागी बालक दास जी महाराज का पावन आगमन होगा। दोनों संतों के सानिध्य एवं आशीर्वचन से आयोजन की गरिमा और आध्यात्मिक महत्ता बढ़ेगी।

इस अवसर पर एक लाख दीपों के प्रज्वलन का भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दीपों की जगमगाती रोशनी से बैकुंठ धाम सरोवर का परिसर भक्तिमय एवं आलोकित होगा। यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण की भावना को समर्पित रहेगा। भारत सेवा संघ के संयोजक चंद्रप्रकाश सोनी ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों से इस पावन आयोजन में सपरिवार सम्मिलित होकर संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं दीप प्रज्वलन में सहभागी बनने की अपील की है।

सिंध सेवा मंडल द्वारा गुरू नानक जयंती समारोह आज

भिलाई नगर। गुरूनानक जयंती के अवसर पर कल मंगलवार को श्री गुरुनानक सिंध सेवा मंडल कैम्प - 2 भिलाई द्वारा गुरू नानक जयंती समारोह बड़े धूमधाम मनाया जा रहा है। समिति के मनोज माखिजा, पवन छबड़िया, मनोज आहुजा ने बताया कि सिंधु भवन गायत्री मंदिर के सामने संगीतमय भजन कार्यक्रम कल दोपहर 12 से 1 बजे तक तथा गुरु का लंगर 2 बजे से शाम 4 बजे तक वितरण किया जाएगा।

मितानिन दिवस पर विधायक ब्यास कश्यप की अनूठी पहल, विधानसभा क्षेत्र की सैकड़ों मितानिनों का किया सम्मान

मितानिनों का योगदान स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे मजबूत कड़ी : विधायक ब्यास कश्यप



जांजगीर। मितानिन दिवस के अवसर पर जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप द्वारा विधानसभा स्तरीय मितानिन सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जांजगीर स्थित जगनी सेलिब्रेशन में आयोजित इस कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र की बड़ी संख्या में मितानिन बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने में मितानिनों की भूमिका और उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ब्यास कश्यप ने मितानिन बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि मितानिनें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। शासन की स्वास्थ्य योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की देखभाल, टीकाकरण के प्रति जागरूकता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने में उनका योगदान अतुलनीय है। विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने वाली मितानिन बहनें समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि मितानिनों का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके सेवा, समर्पण और संघर्ष का सम्मान है। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाना चाहिए। इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने विधानसभा क्षेत्र से पहुंचीं सभी मितानिन बहनों को साड़ी एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। समारोह में दूर-दराज के गांवों से पहुंची मितानिनों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई थी। सम्मान समारोह में शामिल मितानिन बहनों ने विधायक ब्यास कश्यप की इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों और समर्पण को सम्मान देकर विधायक ने मितानिनों का उत्साह बढ़ाया है। इस आत्मीय आयोजन के लिए सभी मितानिनों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मितानिन बहनों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमामय एवं यादगार बना दिया।

अस्पताल की खामियां उजागर हुईं तो खबर रोकने की कवायद! श्री मल्टी स्पेशलिटी बर्न एवं ट्रामा सेंटर के खिलाफ लगातार प्रकाशित हो रही खबरों से संचालक की बढ़ी मुश्किलें? खबरों को मैनेज कराने पहुंचे पत्रकार के ऑफिस...



जांजगीर-चांपा। श्री मल्टी स्पेशलिटी बर्न एवं ट्रामा सेंटर की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों और स्वास्थ्य विभाग की जांच में सामने आईं खामियों के बाद अब मामला अस्पताल की व्यवस्थाओं से आगे बढ़कर खबरों को प्रभावित करने की कथित कोशिश तक पहुंच गया है। आरोप है कि अस्पताल संचालक अपनी व्यवस्थागत कमियों और लगातार उजागर हो रहे सवालों का जवाब देने के बजाय खबरों को मैनेज करने की कोशिश में जुट गए हैं। इसके लिए एक कथित पत्रकार को ही माध्यम बनाकर खबरों के प्रकाशन पर विराम लगाने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। दरअसल, अस्पताल के खिलाफसीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद लगातार खबरें प्रकाशित हो रही हैं। इन खबरों में अस्पताल के संचालन, चिकित्सकों की उपलब्धता, दस्तावेजों और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी जैसे गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं। शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग की निरीक्षण कार्रवाई में भी कई खामियां सामने आने की जानकारी है। जांच प्रतिवेदन और संभावित विभागीय कार्रवाई को लेकर भी सवाल बने हुए हैं। इसी बीच आरोप है कि अस्पताल संचालक ने अपनी कमियों पर जवाब देने के बजाय खबरों को रुकवाने के लिए एक कथित पत्रकार को आगे किया। बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति खबर प्रकाशित करने वाले नेशनल न्यूज़ चैनल के पत्रकार से संपर्क कर मामले को मैनेज करने और आगे खबरें प्रकाशित नहीं करने का संदेश लेकर पहुंचा था। लेकिन उसे वहां से दो टूक जवाब मिला कि अब यह खबर रुकने वाली नहीं है। इसके बाद कथित तौर पर खबर मैनेज करने पहुंचे व्यक्ति को वापस लौटना पड़ा। यह पूरा घटनाक्रम कई सवाल खड़े करता है। यदि अस्पताल की व्यवस्थाएं नियमों के अनुरूप हैं तो संचालक को दस्तावेजों और तथ्यों के साथ सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आखिर सवालों का जवाब देने के बजाय खबरों को प्रभावित करने की कोशिश क्यों की जा रही है? क्या अस्पताल प्रबंधन को स्वास्थ्य विभाग की जांच में सामने आई खामियों और संभावित कार्रवाई की चिंता सता रही है?

खबरों पर दबाव बनाकर सवालों को दबाया नहीं जा सकता...लोकतंत्र में पत्रकारिता का काम व्यवस्थाओं से सवाल करना और जनता के सामने तथ्यों को रखना है। किसी संस्थान की कमियों पर सवाल उठने के बाद खबरों को रुकवाने की कोशिश अपने आप में गंभीर विषय है। अस्पताल संचालक को यह समझना होगा कि खबरों का जवाब खबर रोककर नहीं, बल्कि तथ्यों और दस्तावेजों के माध्यम से दिया जाता है।

सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश साहू ने मात्र 21 माह में बदली ग्राम पंचायत कोटेतरा की तस्वीर

हाई स्कूल मार्ग पर सीसी रोड, सतनामी मोहल्ले में नया 63 केवी ट्रांसफार्मर व केबल सुधार से मिली बिजली समस्या से मुक्ति; 73 साल पुराने स्कूल भवन का जीर्णोद्धार और वृक्षारोपण से संवरा गांव



जैजैपुर। दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसेवा का संकल्प हो, तो दशकों पुरानी समस्याएं भी कम समय में हल हो सकती है। इस बात को चरितार्थ कर दिखाया है ग्राम पंचायत कोटेतरा की सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश साहू ने। पंचायत के इतिहास में जो विकास कार्य पिछले 43 वर्षों से रुके हुए थे, उन्हें श्रीमती साहू ने अपने मात्र 21 महीनों के अल्प कार्यकाल में धरातल पर उतार कर गांव को एक नई पहचान दी है।

इन ऐतिहासिक कार्यों से बदली गांव की सूरतः- * बिजली व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार और रोशनीः गांव की गलियों में लगे विद्युत पोल पर लपेटे हुए केबलों के कारण बार-बार शॉर्ट-सर्किट होने से ग्रामीणों को बिजली की भारी परेशानी होती थी। सरपंच की पहल पर उन केबलों को अलग कर व्यवस्थित करवाया गया, जिससे ग्रामीणों को इस समस्या से स्थायी मुक्ति मिली है। साथ ही सतनामी मोहल्ले में नया विद्युत पोल और 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया है। इसके अतिरिक्त गांव की गलियों में स्ट्रीट लाइट और प्रमुख चौक-चौराहों पर सोलर लाइट लगवाने से रात के समय पूरा गांव रोशनी से जगमगा उठा है।* शिक्षा और स्कूल मार्ग का कायाकल्पः बच्चों की सुरक्षा और बेहतर शिक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हाई स्कूल की ओर जाने वाले मार्ग पर सीसी रोड का निर्माण करवाया गया है, जहां पहले बच्चे भरे हुए पानी और कीचड़ से होकर स्कूल जाने को मजबूर थे। इसके साथ ही 73 वर्ष पुराने जर्जर मिडिल स्कूल भवन के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य को प्रगति पर लाया गया है। प्राथमिक स्कूल के जर्जर अहाता बाउंड्री वॉल का जीर्णोद्धार करवाने के साथ ही दो स्कूलों में बालिका शौचालय की स्वीकृति दिलाकर छात्राओं को बड़ी सुविधा दी गई है। पेयजल संकट का स्थायी समाधानः गांव के छापर मोहल्ले में सदियों से चली आ रही पानी की प्रमुख मांग को पूरा किया गया। चुनाव के समय किए गए वादे के अनुरूप जयकरण के घर के पास बोर खनन की स्वीकृति दिलाई गई, वहीं लक्ष्मी सागर के घर के पास बोर खनन कर पानी टंकी की स्थापना की गई। इसके अलावा गांव में बंद पड़े हैंडपंपों को पुनः चालू करवाया गया। * सड़कों, पुलिया और नालियों का निर्माणः जिन गलियों में कभी किसी जनप्रतिनिधि की नजर नहीं पड़ी थी।

भिलाई निगम चुनाव में जीत के लिए भाजपा ने कसी कमर, सभी 70 वार्डों में कमल खिलाने का लक्ष्य

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने दिया बूथ मैनेजमेंट और घर-घर जनसंपर्क का मंत्र, विजय शर्मा, सरोज पांडेय और प्रेमप्रकाश पांडेय ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश



भिलाई। आगामी भिलाई नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में भाजपा जिला भिलाई की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क को लेकर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। वहीं, वरिष्ठ नेताओं ने आपसी मतभेद भुलाकर एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरने का आह्वान किया। बैठक में भाजपा ने भिलाई नगर निगम में महापौर पद के साथ सभी 70 वार्डों में जीत हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

बूथ मजबूत होगा तो चुनाव में मिलेगी जीत : कर्मवीर सिंह- प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि नगर निगम चुनाव विधानसभा और लोकसभा चुनाव से अलग होता है, क्योंकि इसमें मतदाता प्रत्याशियों को व्यक्तिगत रूप से जानता है। इसलिए कार्यकर्ताओं को केवल चुनाव के समय सक्रिय होने के बजाय सालभर जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने रामायण के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को संगठन से जोड़ने और बूथ स्तर तक मजबूती से काम करने की बात कही।

उन्होंने आगामी चुनावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए 29 नवंबर को प्रत्येक बूथ पर 'मन की बात' कार्यक्रम, 4 दिसंबर को घरों पर भाजपा का ध्वज लगाने तथा 5 से 9 दिसंबर तक घर-घर संपर्क अभियान, नुक्कड़ सभाएं और सामाजिक बैठकों के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क करने का आह्वान किया।

छोटे मतभेद छोड़ संगठन के लिए काम करें कार्यकर्ता : विजय शर्मा- उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता राष्ट्र और समाज के व्यापक हित के लिए समर्पित रहता है। कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत भ्रम और छोटे-छोटे मतभेदों से ऊपर उठकर संगठन के प्रति विश्वास के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि पीढ़ियां बदल गईं, लेकिन संकल्प नहीं बदला। इसी तरह धैर्य, समर्पण और निरंतर प्रयास से संगठन के बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने युवा मोर्चा, महिला मोर्चा सहित सभी प्रकोष्ठों को बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की बात कही।

एक-एक वोट महत्वपूर्ण, घर-घर पहुंचें कार्यकर्ता : सरोज पांडेय- पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि पिछले चुनावों में कई वार्डों में हार-जीत का अंतर बेहद कम रहा है। ऐसे में एक-एक वोट का महत्व समझते हुए कार्यकर्ताओं को घर-घर पहुंचना होगा। उन्होंने इस चुनाव को कार्यकर्ताओं का चुनाव बताते हुए भरोसा दिलाया कि वरिष्ठ नेतृत्व पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ा है। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियों और बीएसपी से जुड़े लंबे समय से लंबित विषयों के समाधान को भी जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

एक-दूसरे के पीछे खड़े रहेंगे तो जीतेंगे : प्रेमप्रकाश पांडेय- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जनता ने भाजपा पर जो भरोसा जताया है, उसे नगरीय निकाय चुनाव में भी कायम रखने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है। बूथ समितियों की सक्रियता, शक्ति केंद्रों के बीच समन्वय और वार्ड स्तर पर जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन जीत की कुंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश देते हुए कहा, ÷एक-दूसरे के पीछे खड़े रहेंगे तो जीतेंगे, एक-दूसरे के पीछे पड़ेंगे तो विपक्ष जीतेगा।÷ उन्होंने सभी 70 वार्डों और महापौर पद पर जीत के लक्ष्य के साथ काम करने की अपील की।

सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाएं : भूपेंद्र सवन्नी- क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। कार्यकर्ताओं को इन उपलब्धियों को पूरी ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक घर तक पहुंचाना चाहिए।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में प्रत्याशी का व्यक्तिगत व्यवहार, कार्यशैली और जनता से सीधा संपर्क बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता और संभावित प्रत्याशी को जनता के बीच सक्रिय रहना होगा और संगठन की एकजुटता बनाए रखनी होगी।

संगठन पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरने तैयार : पुरुषोत्तम देवांगन- जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी चुनावी तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाजपा जिला भिलाई का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी समर के लिए तैयार है। शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ समितियां आपसी समन्वय के साथ काम करेंगी और भिलाई नगर निगम में भाजपा का परचम लहराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी।

वरिष्ठ नेताओं की रही मौजूदगी- बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, सांसद लक्ष्मी वर्मा, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला प्रभारी रामजी भारती, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, विधायक रिकेश सेन, युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, भिलाई नगर विधानसभा प्रभारी इंद्रजीत सिंह गोल्डी, पूर्व विधायक सांवला राम डहरे, कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, दीपक साहू और जागेश्वर साहू सहित अनेक वरिष्ठ नेता मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का संचालन मनीष अग्रवाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण वर्मा ने किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, चित्रा केशवालु, नटवर ताम्रकार, पूनम शुक्ला, जिला महामंत्री सुषमा जेठानी, जिला मंत्री विनोद सिंह, रश्मि सिंह, भारती साहू, पारस जंघेल, मनोज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, जिला प्रवक्ता प्रेमलाल साहू एवं विजय सिंह, मीडिया सह प्रभारी सूरज जायसवाल, सोशल मीडिया प्रभारी ज्ञानदास मानिकपुरी एवं दीप पटेल, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल सहित विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com